Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 1

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-62 | मथुरा, बुधवार, 29 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मछली फाटक के पास गिर्राज गेस्ट हाउस पर पुलिस का छापा

आपत्तिजनक हालत में मिले पांच युवक और चार युवतियां

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने पुलिस चौकी बागबहादुर इलाके के मछली फाटक स्थित गिर्राज गेस्ट हाउस पर छापे मारी कर वहां से नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। छापे मारी में पांच युवक और चार युवतियां हैं। इनमें एक नाबालिग भी है। पुलिस ने युवतियों के परिवारीजनों को भी सूचना दे दी है।

हिरासत में लगीं युवतियों में एक नाबालिग भी हैं

सीओ सिटी आशना चौधरी को शहर के गिर्राज गेस्ट हाउस में आपत्तिजनक गतिविधियों के संचालन की सूचना मिली थी। सीओ ने इस सूचना के आधार पर मछली फाटक इलाके के गिर्राज गेस्ट हाउस पर पुलिस और महिला पुलिस के साथ छापे मारी की। छापे के दौरान गेस्ट हाउस पर आपत्तिजनक स्थिति में वहां से पांच युवकों और चार युवतियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस समाचार लिखे जाने तक पकड़े गए युवक युवतियों से पूछताछ कर रही थी।

बताया गया कि बरामद की गई युवतियों के परिवार के लोगों को भी इस बारे में सूचना दे दी गई। समाचार लिखे जाने तक पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है।

कलक्ट्रेट भवनों की सुरक्षा पर बड़ा कदम

82 .52 लाख रुपये से फायर सिस्टम होगा मजबूत

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले के कलक्ट्रेट भवनों में आग से सुरक्षा को लेकर अब ठोस पहल शुरू हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार करीब 82.52 लाख रुपये की लागत से फायर सेफ्टी सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा, जिससे प्रशासनिक भवनों में सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

योजना के तहत भवनों में आधुनिक अग्निशमन उपकरण, फायर अलार्म सिस्टम, आपातकालीन सुरक्षा प्रबंध और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं स्थापित की जाएंगी। खास बात यह है कि कार्य के लिए एक ही जिम्मेदार एजेंसी तय की गई है, जिससे काम में देरी और जिम्मेदारी से बचने की गुंजाइश कम होगी। इस निर्माण कार्य को तय समयसीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही गुणवत्ता पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी और हर स्तर पर निरीक्षण की व्यवस्था तय की गई है। जिला स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा और मासिक सत्यापन की व्यवस्था से यह सुनिश्चित करने की कोशिश है कि काम केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर नजर आए। इसके अलावा लागत बढ़ने या समय बढ़ने जैसी स्थितियों को रोकने के लिए पहले से ही सख्त निर्देश तय किए गए हैं। यदि काम में कोई बचत होती है तो धनराशि वापस जमा कराने की व्यवस्था भी रखी गई है। साथ ही यह भी तय किया गया है कि स्वीकृत प्रस्ताव से बाहर कोई अतिरिक्त निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा और तकनीकी स्वीकृति के बाद ही काम शुरू होगा।

निर्माण एजेंसी को तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

मथुरा जैसे व्यस्त प्रशासनिक केंद्र में यह कदम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में फायर सेफ्टी सिस्टम का मजबूत होना किसी भी आपात स्थिति में बड़े नुकसान को टालने में मददगार साबित हो सकता है। यह पहल केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक भवनों की सुरक्षा को नई प्राथमिकता देने का संकेत मानी जा रही है। उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव राजाराम द्विवेदी ने राजस्व परिषद के आयुक्त एवं सचिव को प्रेषित पत्र की प्रति जिला अधिकारी सी पी सिंह को भी प्रेषित की गई है, जिसमें उक्त जानकारी दर्ज है।

वृंदावन के गेस्ट हाउस भी शक के दायरे में

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन के कई गेस्ट हाउस भी शक के दायरे में आ रहे हैं। यहां भी देह व्यापार होने की खबर है। पुलिस यदि छापेमारी करें तो कई बड़े रैकेटों का भंडाफोड़ हो सकता है।

दलित महिला ने मारपीट व बकरे को जहर देने की दी तहरीर

यूनिक समय, मगोर्रा। गांव भूचन में एक महिला ने कुछ लोगों के खिलाफ मारीपट करने और बकरे को जहर दिए जाने के मामले की शिकायत की है।

नगला भूचन निवासी पूजा देवी ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि 15 मार्च को गांव के कुछ लोगों ने उसके साथ गली गलौच करते हुए मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। इन लोगों ने उसके घर के बाहर बंधे बकरे को भी जहर दे दिया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर जांच की जा रही है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। राया पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को ककरेटिया के टेंपो स्टेड से गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर अमित कुमार निवासी गैंजरा थाना राया के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज है।

निजी गाड़ियों से मिल रही टैक्सी सेवा

व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में चार पहिया निजी गाड़ियों का इस्तेमाल सिर्फ निजी काम तक सीमित नहीं रह गया है। शहर, कस्बों और गांवों में कई जगहों पर निजी गाड़ियां भी टैक्सी की तरह इस्तेमाल होती दिखाई दे रही हैं। इस बदलते चलन को लेकर लोगों के बीच चर्चा बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वाहन मालिक अपनी प्राइवेट गाड़ियों को टैक्सी स्टैंड के पास खड़ा कर देते हैं और जरूरत पड़ने पर सवारी या शादी–ब्याह जैसे कार्यक्रमों के लिए बुकिंग भी ले लेते हैं। हालांकि, टैक्सी स्टैंडों पर भी अक्सर लाइसेंसी टैक्सियों की संख्या कम नजर आती है, जबकि वहां निजी गाड़ियां ज्यादा खड़ी दिखाई देती हैं।

इससे लोगों को लगता है कि परिवहन सेवाओं का तरीका धीरे–धीरे बदल रहा है। इस स्थिति का असर उन चालकों पर भी पड़ रहा है, जो नियमों के अनुसार अपनी गाड़ियां टैक्सी के रूप में चलाते हैं। उनका कहना है कि अब उन्हें पहले जैसी सवारी नहीं मिल पा रही है। वहीं कुछ लोग इसे समय के साथ बदलती व्यवस्था भी मान रहे हैं।

टैक्सी स्टैंडों पर कम दिखती हैं लाइसेंसी गाड़ियां

निजी वाहन भी सरकार को टैक्स के नाम पर लगा रहे है, चूना

एआरटीओ राजेश राजपूत से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनसे बात नहीं हो पाई। जिले में निजी गाड़ियों के इस बढ़ रहे चलन से टैक्स के नाम पर सरकार को ऐसे वाहन स्वामी चूना लगा रहे है।

संभावित स्वरूप — वृंदावन में रात्रि बाजार की अवधारणा

अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा के साथ श्रद्धालुओं के अनुभव को भी खास बना सकती है सांस्कृतिक प्रदर्शनी जैसा होगा रात्रि बाजार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आध्यात्मिक और पर्यटन के केंद्र में 'रात्रि बाजार' (नाइट मार्केट) की अवधारणा न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा दे सकती है, बल्कि श्रद्धालुओं के अनुभव को भी खास बना सकती है।

भक्ति, भजन और संकीर्तन से गुंजायमान रहने वाली वृंदावन की गलियां अब रात के समय नए स्वरूप में नजर आ सकती हैं। प्रशासन और पर्यटन विशेषज्ञों के बीच वृंदावन में 'रात्रि बाजार' (नाइट मार्केट) खोलने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। इसका मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को दिन की भीड़भाड़ से बचाकर सुकून भरी खरीदारी और ब्रज के व्यंजनों का अनुभव कराना है। वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर और अन्य प्रमुख मंदिरों के आसपास दिन के समय भारी भीड़ रहती है। संकरी गलियों और ट्रैफिक के कारण श्रद्धालु शांति से खरीदारी नहीं कर पाते। तापमान का प्रभावः गर्मियों में दोपहर की तपिश के कारण श्रद्धालु होटलों में ही रहते हैं। रात्रि बाजार होने से वे रात की शीतलता में बाहर निकल सकेंगे।

पर्यटन को बढ़ावाः यदि रात्रि 10 बजे से रात 1 बजे तक सुरक्षित बाजार उपलब्ध हो, तो पर्यटक शहर में एक अतिरिक्त रात रुकने का मन बनाएंगे।

ब्रज का जायकाः रात के समय गर्म दूध, केसरिया रबड़ी, प्रसिद्ध पेड़े और चाट–पकौड़ी के स्टॉल्स।

हस्तशिल्प और पोशाकः ठाकुर जी की पोशाकें, कंठी माला और हस्तशिल्प की वस्तुओं के लिए समर्पित विशेष दीर्घाएं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियांः बाजार के एक छोर पर लोक कलाकारों द्वारा चरकुला नृत्य, रसिया गायन और भजन संध्या का आयोजन।

प्रमुख चुनौतियां और समाधानः रात्रि बाजार की राह में कुछ तकनीकी और व्यवस्थागत चुनौतियां भी हैं।

सुरक्षा व्यवस्थाः रात के समय महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और सीसीटीवी की निगरानी अनिवार्य होगी।

साफ–सफाईः बाजार खत्म होने के बाद सुबह की आरती से पहले सड़कों की त्वरित सफाई के लिए आधुनिक मशीनों की आवश्यकता होगी।

ध्वनि प्रदूषणः ध्यान रखना होगा कि बाजार का शोर आश्रमों और शांत रिहायशी इलाकों की शांति भंग न करे। जानकारों का मानना है कि यदि यह प्रयोग सफल रहता है,तो स्थानीय व्यापारियों की आय में 20–30% की वृद्धि हो सकती है। साथ ही, ई–रिक्शा चालकों और छोटे वेंडरों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

विशेषज्ञ की राय है कि वृंदावन की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर टिकी है। रात्रि बाजार से हम 'नाइट टूरिज्म' को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे स्थानीय कला और संस्कृति को वैश्विक पहचान मिलेगी।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 2

ग्रीष्म ऋतु में आराध्य को शीतल सुख पहुंचाने को हो रहे तमाम जतन

ठा. बांकेबिहारी महाराज को धारण कराने लगे फूलपोषाक

ठंडी तासीर वाले दिव्य पदार्थों का अर्पित किया जा रहा भोग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। ब्रजधाम की अनूठी भावसेवा पद्धति का अनुसरण करते हुए सेवायत, ब्रजवासी एवं भक्त ग्रीष्म ऋतु में अपने आराध्य को शीतल सुख पहुंचाने के लिए तमाम तरह के जतन कर रहे हैं।

इसी क्रम में विश्वविख्यात ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में जहाँ दोनों समय सुगंधित फूलों के मनमोहक बंगले बनाए जा रहे हैं, वहीं अब ज्यादा गर्मी हो जाने की वजह से भगवान को फूलों से बनी आकर्षक पोशाक व पुष्पाभूषण धारण कराए जाने लगे हैं। इसी के साथ समस्त भोगरागों के वक्त प्रभु को ठंडी तासीर वाले दिव्य भोज्य पदार्थ अर्पित किए जा रहे हैं और ठण्डाई, शर्बत व मौसमी फलों के रस आदि का विशेष भोग लगाया जा रहा है।

सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी बताते हैं ग्रीष्म ऋतु का आगमन होते ही ब्रज–वृन्दावन के लगभग सभी मन्दिर–देवालयों में प्रभु को शीतल सुखप्रदान करने के लिए फूल सेवा आरम्भ हो जाती है। जिसके तहत मंदिरों में एक से बढ़कर एक मनोहारी बंगले सजाए जाते हैं तथा भगवान की पोषाक व आभूषण भी फूलों से बनाकर धारण कराए जाते हैं।

इतिहासकार के मुताबिक हालांकि पूर्व में श्रीबिहारीजी मंदिर में फूल बंगलों की प्रथा का चलन इस रुप में नहीं था, मात्र सूक्ष्म आकार प्रदर्शन के लिये ही इस कला का प्रयोग किया जाता था। हां, फूल श्रृंगार परम्परा का चलन अवश्य श्रीस्वामीहरिदासजी महाराज के युग से चला आ रहा है। उस समय आराध्य को रिझाने के लिए श्रीस्वामीजी तरह–तरह के फूलों के श्रृंगार से उन्हें सुसज्जित करते थे। वही फूलश्रंगार परिपाटी आज तक चल रही है। इतिहासकार के अनुसार इस फूल श्रृंगार में बढ़ के पत्ते के ऊपर रायबेल, कन्नेर आदि की कोमल कलियों से तरह–तरह की मनमोहक सुन्दर आकृतियाँ बनाई जाती हैं। फूल पोशाक में साड़ी, लहंगा, ओढ़नी, इकलाई, पटुका, जामा, पाजामा, चित्रपट, चोली आदि काले कपड़े पर कोमल कलियों के माध्यम से बनती हैं। ठाकुरजी के श्रंगार हेतु बेसर, बिन्दी, बाजूबन्द, कण्ठा, मुकुट, पाँची, कमरबन्द, कुन्डल, चन्द्रिका, हार, गुंजा, माँग, टिपारौ, कटारे, मोर पंखी, पाग, चोटी, कलंगी इत्यादिक में बड़ के पते पर कलियों की नित्य नवीन प्रकार की बनने वाली कला छवियाँ उल्लेखनीय रहती हैं।

तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,52,810

22 कैरेट 1,40,585

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,45,690 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

गर्मी में बिजली की आंख–मिचौनी

जिले के लोगों हाल बेहाल, मच्छरों का आतंक बढ़ा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बढ़ती गर्मी के बीच जिले में बिजली की आंख–मिचौनी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। अप्रैल माह में ही तापमान तेज़ी से बढ़ गया है, लेकिन राहत देने वाली बिजली ही अब लोगों की परेशानी का सबसे बड़ा कारण बन गई है। लगातार हो रही कटौती से लोग दिन–रात गर्मी और मच्छरों के आतंक से जूझ रहे हैं। शहर के कई इलाकों में हालात बेहद खराब हैं। शहर से लेकर गांव, कस्बा सहित अधिकतर क्षेत्रों में सबसे अधिक समस्या बताई जा रही है, जहां लगभग हर घंटे बिजली कट रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। गांवों में लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के साथ–साथ मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है,ऐसे में लोगों की रातों की नींद तक हराम हो गई है। वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबधित विभाग के अधिकारियों के यह दावे पूरी तरह फेल नजर आ रहे है और लगभग हर आधे घंटे में बिजली कटौती हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार–बार बिजली की आंख मिचौनी से पंखे और कूलर बंद रहने से घरों में रहना मुश्किल हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने बताया कि गर्मी से पहले विभाग ने बेहतर बिजली आपूर्ति के बड़े–बड़े दावे किए थे, लेकिन वे अब पूरी तरह फेल साबित हो रहे हैं।

बार–बार कटौती से शहर से गांव तक हाहाकार, विभाग के दावे फेल

शहर से लेकर गांव, कस्बा सहित अधिकतर क्षेत्रों में सबसे अधिक समस्या

बांके बिहारी काम्पलैक्स की अवैध पार्किंग पर कार्रवाई

बांकेबिहारी काम्पलैक्स की अवैध पार्किंग पर नगर निगम की टीम कार्रवाई करते हुए।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने बांके बिहारी कॉम्प्लेक्स में नगर निगम मथुरा–वृन्दावन की पार्किंग पर अवैध रूप से कब्जा कर उसका संचालन किया जा रहे प्रकरण का संज्ञान लिया। नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने कार्रवाई कर पार्किंग स्थल से अवैध कब्जा हटाया गया। स्थल को नगर निगम के अधीन लेकर पार्किंग के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया गया है। कार्यवाही में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र सिंह यादव, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद कुमार, कर अधीक्षक हरिकृष्ण गुप्ता, राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार एवं ई.टी.एफ. के जवान उपस्थित थे।

द्वारकाधीश मंदिर में कल नृसिंह लीला शाम 6.15 बजे

यूनिक समय, मथुरा। शहर के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में 30 अप्रैल को भगवान नृसिंह की लीला का मंचन किया जाएगा। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि संध्या आरती शाम 5:40 बजे के बाद श्रद्धालुओं को भगवान की लीला के दर्शन होंगे। इसके बाद भगवान नृसिंह के जन्म दर्शन शाम 6:15 बजे कराए जाएंगे, जबकि शयन दर्शन शाम 6:30 बजे खुलेंगे।

पड़ताल कागजों में हरियाली, लेकिन जीवित पौधे कितने ?

निगरानी और संरक्षण के दावे संदिग्ध, सत्यापन रिपोर्ट पर उठे सवाल

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बड़े पैमाने पर चलाए गए पौधारोपण अभियानों की वास्तविक स्थिति पर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला पर्यावरण समिति और सत्यापन से जुड़े दस्तावेजों के अध्ययन में सामने आया है कि कागजों में पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और उच्च जीवितता के दावे किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर निगरानी व्यवस्था निरन्तर कमजोर नजर आ रही है।

दस्तावेज बताते हैं कि वर्ष 2024 में वन विभाग द्वारा 4.90 लाख तथा अन्य विभागों को मिलाकर कुल करीब 37.98 लाख पौधारोपण दर्ज किया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2025–26 में वन विभाग के 4.52 लाख समेत कुल 38.59 लाख पौधे लगाने का दावा किया गया। इसके बावजूद जिला स्तरीय बैठकों में बार–बार पौधों की सुरक्षा, सिंचाई, गुड़ाई और दो वर्ष तक देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाना इस बात का संकेत है कि जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन संतोषजनक नहीं है।

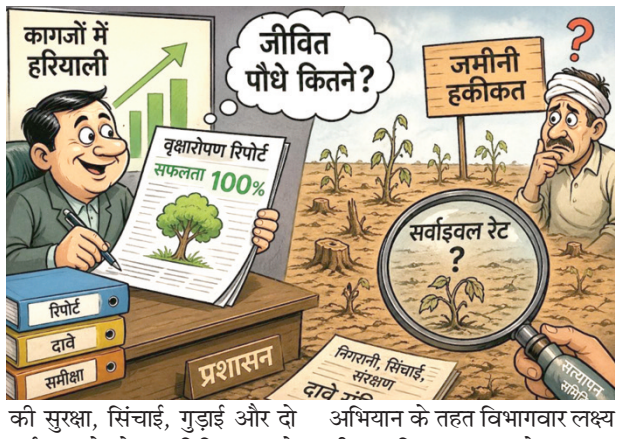

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण समिति की बैठकों में निगरानी को लेकर लगातार सख्ती दिखाई गई और हर विभाग को नोडल अधिकारी नियुक्त कर मासिक सर्वाइवल रिपोर्ट देना अनिवार्य किया गया। वर्ष 2025 अभियान के तहत विभागवार लक्ष्य भी तय किए गए। इसके बावजूद कई बैठकों में वही निर्देश दोहराए जाना रिपोर्टिंग प्रणाली और ग्राउंड वेरिफिकेशन दोनों में खामियों की ओर इशारा करता है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में गठित वृक्षारोपण जीवितता सत्यापन समिति को भी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि वास्तविक स्तर पर स्वतंत्र सत्यापन कितना हुआ। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि लाखों पौधों की जीवितता क्या केवल कागजों तक सीमित है या वास्तव में देखरेख और संरक्षण में कहीं बड़ी चूक हो रही है। मामले में एसडीओ सुशील कुमार से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वेंकट श्रीकर पटेल ने कहा कि इस मुद्दे को अगली बैठक में रखा जाएगा, इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अब निगाहें प्रशासन पर हैं, क्योंकि हरियाली के दावों की असली परीक्षा कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर जीवित पौधों से ही होती है।

दो वर्षों में 76 लाख से अधिक पौधरोपण, सर्वाइवल रेट की रिपोर्टिंग पर पारदर्शिता नहीं

रिपोर्टिंग और ग्राउंड वेरिफिकेशन दोनों ही कमजोर

आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर नि:शुल्क जल सेवा

यूनिक समय, आगरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अंकित गुप्ता के निर्देशन में आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर रोटरी क्लब ऑफ आगरा नॉर्थ ने नि:शुल्क जल सेवा की। रोटरी क्लब ऑफ आगरा नॉर्थ के सौजन्य से आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर निशुल्क आरओ जल सेवा की सेवा शुरुआत की। संस्था के सदस्यों के साथ स्टेशन निदेशक संतोष त्रिपाठी,मंडल वाणिज्य निरीक्षक आगरा छावनी सियाराम मीना व स्टेशन प्रबंधक आगरा कैंट, निरीक्षक रेल सुरक्षा बल,उप स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य एवं अन्य वाणिज्य कर्मचारी उपस्थित थे।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 3

स्विफ्ट सवार बदमाश हथियारों के बल पर 18 भेड़–बकरी ले गए

जगार होने पर ग्रामीणों ने बदमाशों पर किया पथराव

चोरी की वारदात सीसी टीवी कैमरों में हुई कैद

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के गांव चौमुहां में एक किसान की 18 भेड़-बकरियों को हथियारों के बल पर बदमाश गाड़ी में डालकर ले गए। जगार होने पर ग्रामीणों ने बदमाशों पर ईंट पत्थर भी मारे। बदमाश इसके बाद वहां से भाग गए।

गांव चौमुहां निवासी लाल सिंह बीती रात सोया हुआ था। रात को करीब एक बजे एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार आकर रुकी। गाड़ी से उतरकर एक बदमाश ने तमंचा निकाल कर उस पर तान दिया और चुप रहने के लिए कहा। वहीं बाड़े में उसकी 28 से तीस भेड़-बकरियां थी। बदमाशों ने उसकी भेड़-बकरियों को गाड़ी में डालना शुरू कर दिया। बदमाशों ने गाड़ी में 18 बकरियों को डाल लिया। इसी दौरान आस–पास के लोगों में जगार हो गई। ग्रामीणों को जैसे ही पता लगा कि बदमाश आ गए हैं। उन्होंने शोर करते हुए पथराव शुरु कर दिया। बदमाश लोगों की भीड़ को आता देख वहां से ड्डाग निकले। बदमाश उसकी 18 बकरियों को चोरी कर ले गए। इस मामले में लाल सिंह ने पुलिस को तहरीर दी है। बकरियों को ले जाते हुए बदमाश आस–पास लगे सीसी टीवी कैमरों में कैद हो गए। पीड़ित ने सीसी टीवी कैमरों की फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराई है। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

उपसभापति ने सुनी लोगों की समस्याएं

यूनिक समय, वृंदावन। चैतन्य बिहार द्वितीय खंड की क्षेत्र की समस्या, पानी, सीवर, सफाई, एवं स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था के लिए मथुरा वृंदावन नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें वार्ड नंबर 21 के पार्षद राजू, निर्माण विभाग के एई अरुण, सफाई विभाग से मनीष तथा पीयूष शुक्ला ने सहभागिता की।

बैठक में निर्माण विभाग द्वारा तत्काल टूटी नालियों को बनवाने, जलापूर्ति का समय सुबह और शाम निर्धारित करने, नाली एवं सफाई का कार्य भी नियमित रूप से चलाने पर, चैतन्य विहार आवासीय विकास समिति की ओर से क्षेत्र की समस्याओं को निदान कराने का निर्णय लिया।

वृद्धा के दिनदहाड़े कुंडल छीनने से इलाके में दहशत

वृद्धा को अस्पताल में कराया भर्ती

लूट की वारदात सीसीटीवी कैमरा में कैद

यूनिक समय,कोसीकलां (मथुरा)। नगर में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं। इस बात का अंदाजा आर्यनगर में दिनदहाड़े हुई घटना से लगाया जा सकता है। बदमाश एक बुजुर्ग महिला के कुंडल लूट ले गए। वारदात सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई। घटना से इलाके में दहशत फैल गई।

आर्य नगर में रहने वाले आर्य समाज के प्रधान व चिकित्सक प्रकाश आर्य की वृद्ध माता बाजार से घरेलू सामान लेकर आज दोपहर पैदल घर लौट रही थीं। इसी दौरान घर के समीप पीछे से आए बाइक सवार बदमाश ने उनके कानों पर झपट्टा मारकर कुंडल छीन लिए। छीना–झपटी के दौरान वृद्धा सड़क पर गिर गईं, जिससे उनके कान में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। घटना का पता लगने पर इलाके में दहशत का माहौल है। दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात का पता लगने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घटना वहां आस–पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस ने लूट करने वाले बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की।

फुटेज में कुछ संदिग्ध दिखाई दिए हैं, जिनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आर्यनगर में वृद्धा के साथ हुई वारदात का पता लगने पर मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से स्थानीय व्यापारियों और निवासियों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि व्यस्त क्षेत्रों में ड्डी अब बुजुर्ग महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

राजयोग मेडिटेशन सेंटर में योग की विधि बताई

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व सैनिक अंशदाई स्वास्थ्य योजना ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक मथुरा कैंट में राजयोग मेडिटेशन सेंटर (ध्यान केंद्र) की ओर से पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार के पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताते हुए उपस्थित पूर्व सैनिकों को ध्यान केंद्र के ब्रह्मा कुमार रविंद्र, ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी एवं ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी ने राज योग को एक विधि बताया। जिसको बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी कर सकते हैं आत्मा को ध्यान द्वारा परमात्मा से केंद्रित कर सकारात्मक ऊर्जा सुख शांति से भर सकते हैं।

दोहरे हत्याकांड के दोषी की समय पूर्व रिहाई खारिज

शासन ने गंभीरता का दिया हवाला

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/आगरा। केंद्रीय कारागार आगरा में बंद मथुरा निवासी दोहरे हत्याकांड के दोषी नाहर सिंह को समय पूर्व रिहाई नहीं मिलेगी। प्रशासनिक समीक्षा में अपराध की गंभीरता और भविष्य में पुनः अपराध की आशंका को देखते हुए उसकी रिहाई खारिज कर दी गई है। मामले के अनुसार वर्ष 2007 में खेत से जाने के विवाद में नाहर सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर हथियारों से हमला किया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में वर्ष 2010 में मथुरा की अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

रिकॉर्ड के मुताबिक बंदी 14 वर्ष से अधिक की वास्तविक सजा पूरी कर चुका है और कुल मिलाकर 17 वर्ष से ज्यादा समय जेल में बिता चुका है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर हुई समीक्षा में उसकी रिहाई के पक्ष में सहमति नहीं बनी। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी मथुरा द्वारा संयुक्त रूप से की गई समीक्षा में यह पाया गया कि अपराध गंभीर श्रेणी का है और बंदी के बाहर आने पर दोबारा अपराध की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी राय दी गई कि उसे अभी जेल में रखा जाना ही उचित है। समीक्षा अधिकारियों ने रिहाई का विरोध किया और इसे जनहित के खिलाफ माना। इन्हीं सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अंततः राज्यपाल स्तर पर विचार के बाद बंदी की फॉर्म–ए/लाइसेंस पर रिहाई को अस्वीकार कर दिया गया। इस फैसले से साफ है कि गंभीर आपराधिक मामलों में प्रशासन कोई जोखिम लेने के मूड में नहीं है और रिहाई के मामलों में सख्त रुख अपनाया जा रहा है।

कुरान हाफिज का हुआ सम्मान

कुरान हाफिज तारिक का सम्मान करते समाज के लोग।

यूनिक समय,मथुरा। कुरान का हाफिज करने वाले हाफिज सारिक जवाहर वालों का सम्मान किया गया। मनोहरपुरा स्थित राजू कुरैशी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में हाफिज सारिक जवाहर वालों का सम्मान किया। सम्मान स्वरूप एक धार्मिक तस्वीर दी गई। राजू कुरैशी और उनकी टीम ने हाफिज तारिक की कामयाबी को पूरे समाज की बताया। कहा कि आज के समय में दीन के साथ दुनिया की तालीम ड्डी जरूरी है। इस मौके पर हाजी आरिफ, जान रजा ने हाफिज तारिक को गले लगा कर बधाई दी।

URC, HQ 1 CORPS MATHURA CANTT

REQUIRES

Outsourcing of civ manpower of skilled/ semi-skilled/ unskilled civilian employees.

We invite quotations from reputed agencies for supply of work force as per our terms and conditions.

For complete details, including eligibility criteria and contract terms contact our office at URC, HQ 1 Corps, Mathura Cantt.

Preference will be provided to agencies who have past experiences with Defence/ Govt institutes.

Last date for submission of quotations is 02 May 2026.

Contact details :-

Email - hq1corpsurc@gmail.com

Mob: +91-9041452494, +91-8016058006

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग

यूपी के गन्ना विकास मंत्री को दिया ज्ञापन

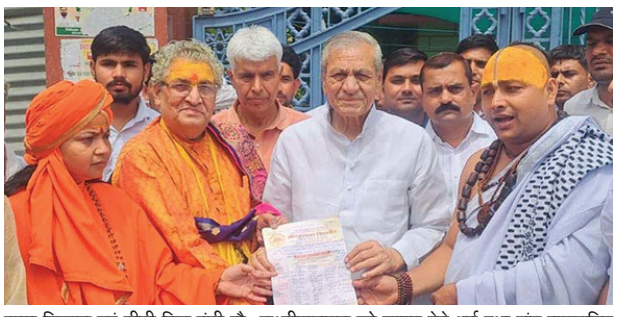

गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण को ज्ञापन देते धर्म रक्षा संघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी ध्यान मूर्ति गिरी महाराज के नेतृत्व में संत।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी ध्यान मूर्ति गिरी महाराज के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के निवास पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने गौ हत्या पर प्रतिबंध एवं गौ माता राष्ट्र माता घोषित करने के साथ गांव संरक्षण की मांग लेकर राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री आदि को संबोधित ज्ञापन दिया। मातृ शक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर ध्यान मूर्ति गिरि महाराज ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश और केंद्र में सनातनी सरकार हैं। यह सनातन के लिए स्वर्ण युग जैसा है ऐसे में गौ हत्या पर संपूर्ण राष्ट्र में प्रतिबंध लगा देना चाहिए। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश महाराज ने कहा कि गाय की रक्षा करने हेतु केन्द्र सरकार को अभिलम्ब गाय को राष्ट्र माता घोषित करना चाहिए।

कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि वर्तमान युग में गायों की स्थिति बहुत दयनीय है गाय की रक्षा से ही राष्ट्र की रक्षा होगी। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव स्वामी अतुल कृष्ण दास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, स्वामी हरि ओम महाराज तथा मृदुल कांत शास्त्री आदि उपस्थित थे।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 4

मथुरा में सम सेमेस्टर परीक्षा व्यवस्था सख्त

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा सम सेमेस्टर 2026 (एनईपी) के अंतर्गत स्नातक स्तर के द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम सेमेस्टर तथा परास्त्रातक स्तर के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित कराई जा रही हैं। इन परीक्षाओं के लिए मथुरा जनपद में लगभग 150 महाविद्यालयों में परीक्षाएं संचालित हैं, जहां लगभग 60 हजार छात्र–छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा बीएसए पीजी कॉलेज को नोडल केंद्र बनाया गया है, जहां से परीक्षा व्यवस्था नियंत्रित की जा रही है।

परीक्षाएं प्रतिदिन तीन पालियों में आयोजित की जा रही हैं प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक, दोपहर 11:00 बजे से 1:00 बजे तक तथा अपराह्न 2:00 बजे से 4:00 बजे तक।

नोडल केंद्र से प्रतिदिन सुबह 6:15 बजे प्रश्नपत्र वितरण प्रारंड्ढा होता है तथा देर शाम तक उत्तर पुस्तिकाएं जमा कराने की प्रक्रिया जारी रहती है। बीएसए कॉलेज में आज आयोजित परीक्षा में प्रथम पाली में लगभग बारह सौ, द्वितीय पाली में पंदह सौ तथा तृतीय पाली में लगड्ढाग दो हजार परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। नोडल केंद्र प्रभारी प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने बताया कि सभी महाविद्यालयों द्वारा विधिवत नियुक्त प्रतिनिधियों के माध्यम से ही तीनों पालियों में प्रश्नपत्र प्राप्त किए जा रहे हैं तथा उत्तर पुस्तिकाएं नियत

केवल अधिकृत प्रतिनिधियों को ही नोडल केंद्र पर प्रवेश

समय में जमा कराई जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा की सुचिता, पारदर्शिता और नकल–विहीन संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता है। विलंब या नियमों की अवहेलना पाए जाने पर उत्तर प्रदेश शासन में निहित प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है। इसी उद्देश्य से नोडल केंद्र पर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर से अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नोडल केंद्र पर केवल संबंधित महाविद्यालयों के अधिकृत एवं नियुक्त प्रतिनिधियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

किसी भी बाहरी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश प्रयास पर नियमानुसार रोक लगाई जाएगी तथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नोडल केंद्र पर प्रश्नपत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की निगरानी के लिए नियुक्त प्रमुख अधिकारियों में प्रोफेसर डॉ. एक के राय , डॉ. रवीश शर्मा, डॉ. यूके त्रिपाठी एवं डॉ. बीके गोस्वामी शामिल हैं, जो नोडल केंद्र प्रभारी के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं।

प्रदेशीय योग ओलंपियाड में तन्नु निषाद ने जीता द्वितीय स्थान

विजयी छात्राएं पदाधिकारियों के साथ।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा विभाग के क्रीड़ा सचिव डॉ. पदम सिंह कौन्तेय के अनुसार लखनऊ स्थित राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में आयोजित प्रदेशीय योग ओलंपियाड में आगरा मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए मथुरा के जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कुमारी तन्नु निषाद ने बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी मंडलों की टीमों ने भाग लिया। वर्तमान सत्र 2025–26 की माध्यमिक विद्यालयीय मंडलीय प्रतियोगिता में भी निषाद विजेता रह चुकी हैं। वहीं बालक वर्ग में आगरा मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए जनपद फिरोजाबाद के राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज वजीपुर के छात्र सत्यदेव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दोनों खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय योग ओलंपियाड के लिए किया गया है, जिसका आयोजन 15 से 18 जून के मध्य होगा। उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. मुकेश चंद्र अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद वीरेंद्र कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह, मंडलीय सचिव अनिल कुमार, जनपद क्रीड़ा सचिव डॉ. दिनेश सिंह चाहर सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

गोवर्धन में डग्गेमारी और अवैध टेंपो स्टैंड से बढ़ी अव्यवस्था

जाम में फंसी एंबुलेंस लोग परेशान

गोवर्धन बस अड्डे के सामने जाम में फंसे वाहन।

संवाददाता

यूनिक समय,गोवर्धन। कस्बे में यातायात व्यवस्था दिन–ब दिन बदहाल होती जा रही है। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की भरी भीड़ के बीच अव्यवस्थित ट्रैफिक और अवैध वाहनों के संचालन से जाम की समस्या आम हो गई है। प्रशासन द्वारा बार–बार किए जा रहे सुधार के दावे जमीनी स्तर पर नजर नहीं आ रहे हैं। कस्बे के बस स्टैंड का मुख्य द्वार इन दिनों अवैध टेंपो चालकों के लिए स्टैंड बन गया है। यहां टेंपो चालक लंबी कतार लगाकर सवारी भरते हैं और विरोध करने पर विवाद पर उतारू हो जाते हैं। हैरानी की बात यह है कि बस स्टैंड परिसर में ही क्षेत्राधिकारी का कार्यालय और पास में यातायात पुलिस बूथ होने के बावजूद इन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि अब रोडवेज कर्मियों द्वारा भी नियमों की अनदेखी करते हुए डग्गेमारी की जा रही है। बुधवार को एकता तिराहे पर इसका उदाहरण देखने को मिला, जब एक रोडवेज बस चालक बस स्टैंड से निकलकर मुख्य तिराहे पर ही बस खड़ी कर सवारी भरने लगा। जाम के झाम में एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही। मामले में जब एआरएम से बात की गई तो उन्होंने संबंधित रोडवेज कर्मी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही है। अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन समय रहते इन अव्यवस्थाओं पर नियंत्रण कर पाएगा या फिर गोवर्धन आने वाले श्रद्धालु इसी तरह की परेशानियों का सामना करते रहेंगे।

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर छात्र संसद का हुआ चुनाव

छात्र संसद के चुने पदाधिकारी।

यूनिक समय,मथुरा। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर में चुनाव अधिकारी कृष्णकान्त मिश्रा के नेतृत्व में छात्र संसद का चुनाव हुआ।

सांसद पद के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरे होने के बाद ही मतदान हुआ। चुनाव में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मतदान एवं चयन प्रक्रिया के बाद 63 सांसद निर्वाचित घोषित किए गए, वहीं 63 सांसदों का चयन नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। प्रधानमन्त्री पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में थे। जिसमें विजय प्रताप सिंह को सर्वाधिक 587 मत प्राप्त हुए।

वहीं प्रिंस कुमार को छात्र संसद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और जतिन राजपूत को नेता प्रतिपक्ष की जम्मिदारी सौंपी गई। उप–प्रधानमन्त्री पद के लिए छात्र गौरव कसाना को निर्विरोध चुना गया। छात्र के संघ के

विजय प्रताप सिंह बने प्रधानमंत्री

प्रधानमन्त्री पद पर चुने गए श्री सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों के विश्वास पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करेंगे तथा छात्रहित और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगीं विद्यालय के अध्यक्ष महन्त रमाकान्त गोस्वामी ने विद्यार्थियों को लोकतान्त्रिक मूल्यों से परिचित कराने वाली इस प्रक्रिया की सराहना की। इस मौके पर उपाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार बंसल, प्रबन्धक प्रो. (डॉ.) तेजपाल सिंह, उप–प्रबन्धक प्रदीप अग्रवाल, प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत, उप–प्रधानाचार्य प्रेमशंकर, डॉ. हरीश सारस्वत, शिवहरी गोस्वामी, धर्मेन्द्र बंसल, उमाशंकर, रामसागर मिश्रा आदि उपस्थित थे।

पुष्प–कली शृंगार सेवा का भाव केवल वृंदावन के देवालयों में

पुष्प कलीः शीर्षक शृंगार ग्रंथ की विमोचन पर मौजूद मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के साथ अन्य पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृन्दावन शोध संस्थान एवं श्रीराधाबल्लभ सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मंगलाचरण, सदीप्त प्रस्तुतिकरण, पुष्प कलीः शीर्षक शृंगार ग्रंथ की विमोचन एवं पुष्प–कली शृंगारः मूर्त और अमूर्त संदर्भों में विषयक संगोष्ठी हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि त्रिविध ताप हरण करने वाले ठाकुर श्रीराधाबल्लभलाल जी को ग्रीष्मकाल के ताप से बचाने के लिए सखियों द्वारा पुष्प–कली शृंगार का आयोजन किया जाता है। इसमें नख–शिख शृंगार में केवल पुष्प की कलियों का ही प्रयोग किया जाता है।

डा. चन्द्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि पुष्प–कली शृंगार सेवा का भाव केवल वृंदावन के देवालयों में ही देखने को मिलता है। ग्रंथ के सम्पादक आचार्य श्रीहित सुकृतलाल गोस्वामी ने ग्रंथ की विषय सामग्री पर चर्चा की।

संस्थान के अध्यक्ष आरडी पालीवाल ने कहा कि ब्रज संस्कृति से जुड़े महत्त्वपूर्ण पक्षों पर कार्य करने की दिशा में सुधीजनों के सहयोग से संस्थान सदैव तत्पर रहा है। इस अवसर पर मंगलाचरण में पुलकित गोस्वामी ने श्रीहित ध्रुवदास जी का पद 'फूलन की कुंज नैंन...' का गायन किया गया। संचालन डा. राजेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर श्रीहित राधेशलाल गोस्वामी, पीपा पीठाधीश्वर बलरामदास बाबा, स्वामी महेशानन्द सरस्वती, एडीएम फाइनेंस पंकज वर्मा, श्रीहित आनन्दलाल गोस्वामी, डा. गोविन्दलाल गोस्वामी, सचिव प्रवीण गुप्ता, श्रीमती सुशीला गुप्ता, डा. इन्दु राव एवं उप–सभापति मुकेश सारस्वत आदि उपस्थित थे।

उप्र खंड शिक्षा अधिकारी संघ का चुनाव संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश खंड शिक्षा अधिकारी संघ जिला कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। निर्वाचन में विनय प्रताप सिंह (खंड शिक्षा अधिकारी, मथुरा) को अध्यक्ष, कौशल कुमार (खंड शिक्षा अधिकारी, बल्देव) को महामंत्री तथा नरेंद्र कुमार तंवर को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं संरक्षक मंडल में कैलाश प्रसाद शुक्ला, गिरिराज सिंह, राकेश कुमार, बुद्धसेन सिंह और दिनेश त्रिपाठी को शामिल किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि संगठन शिक्षकों और अधिकारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाई जाएगी। तथा उन्हें उच्च अधिकारियों तक पहुंचाकर समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर गोवर्धन दास गुप्ता,अंजना शर्मा, हेमराज सिंह, हरिओम गुप्ता, पूनम गर्ग, प्राची अग्रवाल, कविंद्र सिंह आदि शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया।

कारों की भिड़ंत में घायल ने दम तोड़ा

यूनिक समय,मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित टैंक चौराह रोड पर दो कारों की भिड़ंत में घायल हुए युवक ने एक सप्ताह बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कचहरी से टैंक चौराहे के बीच जाने वाले रोड पर करीब एक सप्ताह पहले दो कार एक दूसरे से बुरी तरह टकरा गई थी। कारों में एक कार क्रेटा और दूसरी बलेनो थी। बताया गया कि थाना गोविंदनगर इलाके के पुष्प विहार कालोनी में रहने वाला युवक दीपक अपने तीन अन्य साथियों के साथ बलेनों में पीछे बैठा हुआ था।

इस रोड पर क्रेटा कार बुलेनों से इस तरह टकराई कि बलेनों में बैठा दीपक बुरी तरह से घायल हो गया। दूसरे लोगों को मामूली चोट आई थी। गंभीर रुप से घायल हुए दीपक का केडी मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्वतंत्रता सेनानी पं. हुकुम सिंह गौतम की पुण्यतिथि मनाई गई

यूनिक समय, मथुरा। राया–बल्देव मार्ग स्थित पंडित हुकुम सिंह महाविद्यालय, कारब में स्वतंत्रता सेनानी हुकुम सिंह गौतम की 42 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई। त्रिलोकी नाथ गौतम, पूर्व सीडीओ राधेश्याम गौतम तथा धर्मदत्त गौतम ने कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर माल्यार्पण करके की। कार्यक्रम में नरेंद्र कृष्ण गौतम, ज्ञानेंद्र गौतम, तिलक राज गौतम, योगेश गौतम, सुभाष गौतम, तपेश गौतम,विनीत गौतम, देवेंद्र गौतम,तहसीलदार चर्चिता गौतम तथा मनीष गौतम आदि उपस्थित थे।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय

नाम परिवर्तन

मैं, शैक खासीम्बी, पत्नी जेसी-389106X, सूबेदार इस्माइल शैक, जो यूनिट-1 कोर सिग्नल रेजीमेंट (A), सी/ओ 56 एपीओ में कार्यरत हैं एवं स्थाई निवासी ग्राम/डाकघर - कोंडावीडु, तहसील - चिलकलूरिपेट, जिला - गुंदूर, राज्य-आंध्र प्रदेश, पिन - 522529 , ने अपना नाम खासीम्बे से बदलकर शैक खासीम्बी कर लिया है। यह परिवर्तन शपथपत्र संख्या IN-UP27007022002572Y दिनांक 24 अप्रैल 2026 के अनुसार किया गया है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 5

गोवंश प्रबंधन पर बड़ा फोकस

चारा, निगरानी और भरण-पोषण को करोड़ों का प्लान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद समेत प्रदेश में गोआश्रय स्थलों और चारागाह भूमि पर हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 3 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना का उद्देश्य निराश्रित गोवंश के लिए चारे की स्थायी व्यवस्था तैयार करना और गोशालाओं पर बढ़ते दबाव को कम करना है।

योजना के तहत गोआश्रय स्थलों से जुड़ी भूमि तथा अन्य गोचर चरागाहों पर हरा चारा उगाया जाएगा। इससे पशुओं के भरण-पोषण में आने वाली समस्याओं को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। मथुरा जैसे जिलों में, जहां निराश्रित गोवंश की संख्या अधिक है, वहां यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाए और किसी अन्य कार्य में इसका प्रयोग न हो। साथ ही योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और निगरानी बनाए रखने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों को सौंपी गई है।

हालांकि, पूर्व में भी चारा संकट और गोशालाओं में संसाधनों की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में इस योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि चारा उत्पादन वास्तव में जमीन पर कितना बढ़ता है और इसका लाभ गोआश्रय स्थलों तक कितनी प्रभावी तरीके से पहुंचता है।

मथुरा समेत प्रदेश में गोसंरक्षण को तीन स्तरीय बढ़ावा

बजट, डेटा और चारा व्यवस्था होगी मजबूत

गोआश्रय स्थलों के लिए चारा उत्पादन को तीन करोड़ मंजूर

गोवंश निगरानी के लिए बनेगी मॉनिटरिंग यूनिट, 53.70 लाख स्वीकृत

यूनिक समय, मथुरा। गोवंश संरक्षण व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए एक केंद्रीय मॉनिटरिंग यूनिट स्थापित की जाएगी। इसके लिए 53.70 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसका उद्देश्य गोवंश से जुड़े आंकड़ों का सटीक डाटाबेस तैयार करना और निगरानी प्रणाली को बेहतर बनाना है। इस योजना के तहत कार्यालय संचालन, उपकरण, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, आउटसोर्सिंग सेवाएं और तकनीकी कार्यों के लिए अलग-अलग बजट निर्धारित किया गया है। इससे गोवंश की संख्या, उनकी स्थिति और देखरेख से जुड़ी जानकारी को डिजिटल रूप से संकलित किया जा सकेगा। मथुरा जैसे जिलों में, जहां बड़ी संख्या में निराश्रित गोवंश मौजूद हैं, यह यूनिट निगरानी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बना सकती है। अधिकारियों का मानना है कि इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और वास्तविक आंकड़ों के आधार पर निर्णय लेना आसान होगा। हालांकि, केवल डाटाबेस तैयार करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि फील्ड स्तर पर नियमित अपडेट और निगरानी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। यदि यह प्रणाली सही ढंग से लागू होती है, तो गोसंरक्षण व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है।

निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण के लिए करोड़ों की बड़ी राहत

यूनिक समय, मथुरा। निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण और गोआश्रय स्थलों के संचालन के लिए प्रदेश स्तर पर करोड़ों रुपये की बड़ी धनराशि जारी की गई है। इस फंड का उपयोग गोशालाओं की स्थापना, संचालन और संरक्षित गोवंश के पालन-पोषण पर किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, अब प्रति गोवंश प्रतिदिन अधिकतम 50 रुपये तक खर्च किया जा सकेगा। साथ ही जिलों को उनकी आवश्यकता के अनुसार धनराशि आवंटित की जाएगी और इसके उपयोग की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को सौंपी गई है। मथुरा में निराश्रित गोवंश की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। सड़कों पर घूमते पशु और गोशालाओं में संसाधनों की कमी को लेकर लगातार शिकायतें उठती रही हैं। ऐसे में यह बजट राहतकारी कदम माना जा रहा है। हालांकि, पूर्व में भी फंड जारी होने के बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं दिखा। इसलिए अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह धनराशि वास्तव में गोवंश के भरण-पोषण में कितनी प्रभावी साबित होती है। प्रशासन के लिए यह सुनिश्चित करना चुनौती होगा कि फंड का सही उपयोग हो और इसका लाभ सीधे गोआश्रय स्थलों तक पहुंचे।

परशुराम शोभायात्रा से पहले लगाया रक्तदान शिविर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम की शोभायात्रा से पहले आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ रामगोपाल शर्मा ने फीता काटकर किया। कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। एक स्वस्थ व्यक्ति नियमित रूप से रक्तदान कर सकता है, जिससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी विप्र बंधुओं से तीन मई को निकलने वाली भगवान परशुराम शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आहवान किया।

राष्ट्रीय महासचिव बंसीलाल शर्मा ने सभी रक्तदाताओं को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किए। महिला जिला अध्यक्ष भावना शर्मा ने बताया कि इस बार यह शिविर लाइफ केयर चैरिटेबल ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है।

शिविर के संयोजक एवं ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने बताया कि "मथुरा में रक्तवीरों के सहयोग से समिति द्वारा रक्तदान का आंकड़ा 8000 पार कर लिया गया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

लाइफ केयर ब्लड बैंक के निदेशक बृजेश शर्मा ने आभार जताया। इस मौके पर अखिल भारतीय हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष छाया गौतम, रमाकांत गोस्वामी, श्याम शर्मा, के.के. शर्मा, अभिषेक सैनी, कृष्ण गोपाल अग्रवाल सहित कई लोगों ने रक्तदान कर समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

बादल और बयार ने गर्मी से दी राहत

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा /फरह। गर्मी से परेशान लोगों के लिए बुधवार की सुबह राहत लेकर आई। सुबह तेज धूल भरी बयार और आसमान में छाए बादलों की वजह से मौसम सुहावना हो गया। शीतल बयार ने तपते जनमानस को राहत दी। अब मौसम विभाग ने तीन दिन मौसम साफ रहने और उसके बाद बादल छाए रहने, बयार चलने और बूंदाबांदी होने का पूर्वानुमान जारी किया है। सुबह से ही मौसम सुहावना था। शीतल बयार शरीर को राहत दे रही थी। आसमान पर हल्के बादल छाए हुए थे। करीब छह बजे के बाद बादल हटे तो धूप निकल आई, लेकिन कुछ देर बाद

फिर बादल और बयार से मिलेगी राहत

अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से रहेगा नीचे

आसमान पर काले बादल आ जमे और धूप गायब हो गई। इसके बाद मध्यम गति से धूल भरी बयार चलने लगी। करीब तीन घंटे तक यह मौसम गर्मी से परेशान लोगों को राहत देता रहा। इसके बाद आसमान साफ हो गया तो धूप निकल आई। वैसे, शाम तक दिन में कई बार आसमान पर बादल छाए रहने से ज्यादा गर्मी नहीं हो सकी। वहीं, मौसम विभाग ने जनपद से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। आगामी तीन दिन तक मौसम साफ रहने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की संड्ढावना जताई है, जबकि इसके बाद तीन दिन तक आसमान पर बादल छाए रहने और बूंदाबांदी होने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, तीन दिन मौसम साफ रहेगा, लेकिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही बना रहेगा। वहीं, अगले तीन दिन मौसम सुहावना होगा, बयार चलेगी, आसमान पर बादल छाए रहेंगे और बूंदाबांदी हो सकती है।

आस्ट्रेलिया से आए भक्तों ने संत सेवा की

यूनिक समय, वृन्दावन। मोहनी एकादशी पर श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट ने आराध्यार्चना एवं संत सेवा का आयोजन किया। ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के ऑस्ट्रेलिया निवासी भक्त अजय भटनागर, प्रेरणा भटनागर, अमित ड्ढाटनागर व पूनम भटनागर की ओर से आराध्यप्रभु को दिव्य राजभोग, सप्त प्रकार के ऋतु फल, पंचमेवा सहित अति उत्तम मिष्ठान पदार्थ एवं न्योछावर अर्पित करने के बाद आराध्य की विशेष पूजा अर्चना की गई। दोपहर संत सेवा का आयोजन किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लड्ढा गोस्वामी, मनोज बंसल, कमल गुप्ता, कान्हा सिंह, विप्रांशबल्लभ, विजयलक्ष्मी गोस्वामी, निवेदिता तथा प्रवर्तिका गोस्वामी आदि मौजूद थे।

जिले में टीबी उन्मूलन अभियान तेज 100 दिन में 950 मरीजों की पहचान

अभियान के दौरान रोगियों के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। 100 दिवसीय इस अभियान के तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों से टीबी के लक्षणों के बारे में पूछताछ कर रही हैं। संदिग्ध मरीजों की जांच में बड़ी संख्या में नए रोगी सामने आए हैं। अभियान के दौरान अब तक 12,300 से अधिक लोगों से संपर्क कर उनके घरों पर दस्तक दी गई है। इनमें से 11,000 से ज्यादा लोगों के पोर्टेबल मशीन से एक्स-रे किए गए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर करीब 5,300 लोगों की जांच (नॉट टेस्ट) भी की गई। जांच रिपोर्ट में 950 टीबी मरीजों की पुष्टि हुई है।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी चिन्हित मरीजों का इलाज शुरू कर दिया है और उन्हें नियमित दवा के साथ पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक 733 मरीजों को पोषण आहार किट वितरित की जा चुकी है। साथ ही मरीजों के परिजनों की भी जांच कराई जा रही है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव के अनुसार माइक्रोप्लान के तहत टीमें क्षेत्रवार काम कर रही हैं और संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेकर उनकी जांच की जा रही है।

समाज में तेजी से नई पीढ़ी में बढ़ रहा है, रुझान

गुटखा और सिगरेट की जद में बच्चे और महिलाएं भी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक,समय, मथुरा। जनपद में फैल रहे नशे का कारोबार अब नाबालिगों को भी अपने चपेट में ले रहा है। कम उम्र के बच्चे भी नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। स्कूल और कालेज के समीप 200 मीटर के एरिया में गुटखा और सिगरेट आदि की बिक्री को भले ही सरकार ने प्रतिबंधित किया है।

समाज में आज जिस तरह नशे के प्रति कम उम्र के बच्चों में दिलचस्पी बढ़ रही है। ये समाज के लिए एक बढ़ी चुनौती है। समाज में आज गुटखा, सुपाड़ी और सिगरेट आदि का चलन एक फैशन बनता जा रहा है। कम उम्र के बच्चों के अलावा युवती और महिलाए भी गुटखा के नशे की तेजी से शिकार हो रही है। शायद इसकी वजह टीवी और मोबाइलों पर होने वाले गुटखा, सिगरेट के विज्ञापन के साथ- साथ परिवार के लोगों द्वारा बच्चों से बाजार से गुटखा सिगरेट आदि नशीली वस्तुओं को मंगवाना भी है। बच्चों में बार-बार परिवार के लोगों को गुटखा

महंगी होने के बावजूद कई गुना बढ़ गई बिक्री

सिगरेट बीड़ी को पीता देखते हैं तो वो भी धीरे-धीरे नशे का स्वाद चख लेते हैं जो बाद में उनकी आदत बन जाती है।

स्कूल कालेजों में छात्रों को नशे से दूर रखने के लिए सरकार ने स्कूल से सौ मीटर की दूरी तक इस तरह की वस्तुओं को बिक्री करने पर प्रतिबंध ही नहीं लगाया बल्कि बिक्री करने वाले पर 500 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान भी किया है। इसके बाद भी छात्रों में गुटखा और सिगरेट पीने की लत तेजी से दिखाई दे रही है। यही नहीं आज छात्रों में बीयर पीने का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है। छात्र आए दिन छोटी मोटी पार्टियों में बीयर का प्रयोग करते देखे जा सकते हैं। सरकार द्वारा गुटखा, तंबाकू और सिगरेट बीड़ी पर इतना टैक्स लगा दिए जाने के बाद उम्मीद थी कि इन वस्तुओं का सेवन में कमी आएगी,लेकिन इसका उलटे इन वस्तुओं की बिक्री पहले के मुकाबले कई गुना और बढ़ गई है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 6

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए अपनाएं ये सुपरफूड्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेज गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की समस्या तेजी से बढ़ जाती है। अधिक पसीना आने से शरीर से जरूरी तरल और इलेक्ट्रोलाइट्स बाहर निकल जाते हैं, जिससे कमजोरी, चक्कर और थकान महसूस हो सकती है। ऐसे में सिर्फ पानी पीना काफी नहीं होता, बल्कि सही खानपान भी बेहद जरूरी है।

डाइट में कुछ खास चीजें शामिल कर आप शरीर को हाइड्रेटेड और ठंडा रख सकते हैं। नारियल पानी प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है, जो शरीर में पानी की कमी को तेजी से पूरा करता है। छाछ भी एक बेहतरीन विकल्प है, जो शरीर को ठंडक देने के साथ पाचन को बेहतर बनाती है। वहीं, नींबू पानी विटामिन उ और मिनरल्स से भरपूर होता है और तुरंत ऊर्जा देने में मदद करता है। फलों की बात करें तो तरबूज और खीरा गर्मियों के लिए सबसे फायदेमंद माने जाते हैं। इनमें पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो शरीर को लंबे समय तक हाइड्रेट रखती है। इसके अलावा कच्चे आम से बना आम पना लू से बचाने में बेहद असरदार होता है और शरीर को ठंडक देता है। संतरा भी एक अच्छा विकल्प है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ इम्युनिटी को मजबूत करता है। गर्मियों में इन चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर आप न सिर्फ डिहाइड्रेशन से बच सकते हैं, बल्कि खुद को फिट और ऊर्जावान भी रख सकते हैं।

गर्मियों की शादी में स्टाइलिश दिखने के आसान फैशन टिप्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम शादियों की रौनक लेकर आता है, लेकिन इस दौरान स्टाइलिश और कंफर्टेबल दिखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। भारी लहंगे और मोटे फैब्रिक के कपड़े पहनना इस मौसम में मुश्किल भरा हो सकता है, क्योंकि इससे पसीना, चिपचिपाहट और थकान बढ़ जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप ऐसे आउटफिट चुनें जो हल्के होने के साथ–साथ एलिगेंट भी हों।

आजकल समर वेडिंग के लिए चिकनकारी सूट और अनारकली सूट काफी ट्रेंड में हैं। चिकनकारी सूट अपने हल्के फैब्रिक और खूबसूरत कढ़ाई के कारण बेहद क्लासी और आरामदायक विकल्प माना जाता है। खासकर पेस्टल रंगों में यह आउटफिट फ्रेश और सोबर लुक देता है। वहीं, अनारकली सूट फ्लोई डिजाइन और हल्के कपड़े की वजह से रॉयल लुक के साथ आराम भी देता है। इसे मिनिमल ज्वेलरी के साथ स्टाइल करके आप शानदार लुक पा सकती हैं। फैब्रिक का चुनाव भी बेहद अहम है। गर्मियों में कॉटन, जॉर्जेट और चंदेरी जैसे कपड़े पहनना बेहतर रहता है, क्योंकि ये पसीना सोखते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं। वहीं सिल्क और वेलवेट जैसे भारी फैब्रिक से बचना चाहिए। एक्सेसरीज के मामले में भी हल्कापन जरूरी है। भारी गहनों की बजाय छोटे ईयररिंग्स, हल्के ब्रेसलेट और सिंपल ज्वेलरी आपके लुक को ग्रेसफुल बनाएगी। इसके अलावा, लाइट मेकअप और आरामदायक फुटवियर भी उतने ही जरूरी हैं। न्यूड मेकअप और ओपन हेयर स्टाइल गर्मियों में आपको फ्रेश और एलिगेंट लुक देते हैं। कुल मिलाकर, समर वेडिंग में स्मार्ट फैशन वही है जो स्टाइल और आराम दोनों का संतुलन बनाए। हल्के, ट्रेंडी और आरामदायक आउटफिट्स चुनकर आप इस शादी सीजन में बिना परेशानी के खूबसूरत नजर आ सकती हैं।

मजदूर दिवस 1 मई को क्यों मनाया जाता है? जानिए इतिहास और महत्व

यूनिक समय, नई दिल्ली। हर साल 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन मेहनतकश श्रमिकों को समर्पित है, जो अपने श्रम से समाज और अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं। आज हमें 8 घंटे का कार्यदिवस, साप्ताहिक छुट्टियां और बेहतर कार्य परिस्थितियां जैसी सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन इसके पीछे लंबे संघर्ष और आंदोलनों का इतिहास छिपा है।

मजदूर दिवस की शुरुआत 19वीं सदी से जुड़ी है। उस समय मजदूरों से 12 से 16 घंटे तक काम कराया जाता था, जिससे उनका जीवन बेहद कठिन था। इसके विरोध में 1 मई 1886 को अमेरिका के शिकागो में हजारों मजदूरों ने 8 घंटे काम की मांग को लेकर हड़ताल की। यह आंदोलन बाद में "हेमार्केट घटना" के नाम से प्रसिद्ध हुआ और इसने पूरी दुनिया का ध्यान श्रमिक अधिकारों की ओर आकर्षित किया। इसके बाद 1889 में 'सेकेंड इंटरनेशनल' नामक संगठन ने 1 मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। धीरे–धीरे यह दिन दुनिया के कई देशों में मनाया जाने लगा और आज यह एक वैश्विक प्रतीक बन चुका है। भारत में मजदूर दिवस पहली बार 1923 में चेन्नई में मनाया गया था। इसका आयोजन एम. सिंगारवेलु चेट्टियार ने किया था। तब से यह दिन भारत में भी श्रमिकों के सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। मजदूर दिवस का महत्व आज भी उतना ही है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि श्रमिक समाज की रीढ़ हैं और उनके बिना विकास संभव नहीं है। साथ ही यह सामाजिक न्याय, समानता और बेहतर कार्य परिस्थितियों की आवश्यकता को भी उजागर करता है।

गर्मी में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है? ऐसे रखें मूड और टीमवर्क बेहतर

गर्मियों का मौसम केवल शरीर ही नहीं, बल्कि हमारे दिमाग और व्यवहार पर भी असर डालता है। बढ़ता तापमान, पसीना और थकान मिलकर चिड़चिड़ापन और तनाव को बढ़ा देते हैं। खासकर ऑफिस के माहौल में इसका असर साफ दिखता है, जहां छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा आना, ध्यान भटकना और टीमवर्क में कमी आना आम हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि कुछ आसान आदतों को अपनाकर अपने मूड और काम के माहौल को संतुलित रखा जाए। सबसे पहले हाइड्रेशन का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी सीधे मूड पर असर डालती है, जिससे चिड़चिड़ापन बढ़ता है। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी या ओआरएस जैसे पेय लेना आपको तरोताजा रखता है। दूसरी अहम आदत है छोटे–छोटे ब्रेक लेना। लगातार काम करने से मानसिक थकान बढ़ती है। हर कुछ समय में 5–10 मिनट का ब्रेक लेकर टहलना या थोड़ा रिलैक्स करना दिमाग को रीफ्रेश करता है और काम में फोकस बढ़ाता है।

ऑफिस में सकारात्मक संवाद भी बेहद जरूरी है। सहकर्मियों से शांत और समझदारी से बात करने से न सिर्फ आपका मूड बेहतर रहता है, बल्कि टीम के साथ तालमेल भी मजबूत होता है। एक अच्छा कम्युनिकेशन माहौल को हल्का और सहयोगी बनाता है। इसके अलावा, काम करने का वातावरण ठंडा और आरामदायक होना चाहिए। पंखा, कूलर या एसी का सही इस्तेमाल गर्मी के असर को कम करता है और काम करने में आसानी होती है। खानपान भी मूड पर बड़ा असर डालता है। भारी और तैलीय भोजन से सुस्ती और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है, इसलिए हल्का और पौष्टिक खाना बेहतर विकल्प है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप न सिर्फ अपने मूड को कंट्रोल में रख सकते हैं, बल्कि गर्मी के मौसम में भी बेहतर टीमवर्क और प्रोडक्टिविटी बनाए रख सकते हैं।

गर्मी में फ्रेशनेस का खजाना: गन्ने के रस की तीन खास रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही थकान, चिड़चिड़ापन और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में शरीर को ठंडक और तुरंत ऊर्जा देने के लिए गन्ने का रस एक बेहतरीन विकल्प साबित होता है। यह न केवल शरीर को हाइड्रेट रखता है बल्कि मूड को भी तरोताजा कर देता है। अगर आप रोज एक ही तरह से गन्ने का रस पीकर बोर हो चुके हैं, तो इसे कुछ नए और स्वादिष्ट तरीकों से भी ट्राई कर सकते हैं। गन्ने का रस ग्लूकोज से भरपूर होता है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है और थकान दूर करता है। हालांकि, **इसे हमेशा ताजा और साफ**–सुथरे तरीके से ही पीना चाहिए और सीमित मात्रा में सेवन करना बेहतर होता है। मिंट–लेमन गन्ना जूस- इस रेसिपी में गन्ने के रस में पुदीना पत्तियां, नींबू का रस और थोड़ा काला नमक मिलाया जाता है।

यह ड्रिंक न सिर्फ ठंडक देता है बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाता है। कुछ अलग ट्राई करना हो तो गन्ने के रस में बर्फ, थोड़ा सोडा, नींबू और पुदीना मिलाकर मॉकटेल तैयार करें। यह एकदम रिफ्रेशिंग और एनर्जी से भरपूर पेय है।

अदरक–नींबू गन्ना ड्रिंक- गन्ने के रस में अदरक का रस और नींबू मिलाकर तैयार यह ड्रिंक स्वाद के साथ सेहत का भी ख्याल रखता है। यह इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है और शरीर को अंदर से ठंडक देता है। इन आसान रेसिपीज के साथ आप गर्मी में खुद को कूल, एनर्जेटिक और खुश रख सकते हैं।

खरबूजा लस्सी: गर्मी में ठंडक और स्वाद का परफेक्ट कॉम्बिनेशन

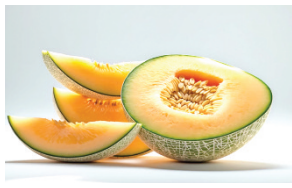

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप कुछ नया, हेल्दी और स्वादिष्ट ट्राई करना चाहते हैं, तो खरबूजा लस्सी एक बेहतरीन विकल्प है। यह ड्रिंक न सिर्फ आपकी प्यास बुझाती है बल्कि शरीर को तुरंत ऊर्जा भी देती है। खरबूजा और दही का यह मेल स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद है।

खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाते हैं। वहीं दही पाचन को बेहतर बनाता है और पेट को ठंडक देता है। इसे घर पर बनाना भी बेहद आसान है। कप कटा हुआ खरबूजा, 1 कप ताजा दही, 2-3 चम्मच चीनी, 4-5 बर्फ के टुकड़े, 1/4 चम्मच इलायची पाउडर और कुछ केसर के धागे।

बनाने की विधि: सबसे पहले खरबूजे को धोकर छील लें और छोटे टुकड़ों में काट लें। अब मिक्सर में खरबूजा, दही और चीनी डालकर स्मूद ब्लेंड करें। इसके बाद इसमें बर्फ और इलायची पाउडर डालकर दोबारा हल्का ब्लेंड करें। तैयार लस्सी को गिलास में निकालें और ऊपर से केसर या पुदीना डालकर ठंडा–ठंडा सर्व करें।

कुछ खास टिप्स: अगर खरबूजा मीठा है तो चीनी कम डालें। हेल्दी ऑप्शन के लिए शहद या गुड़ का इस्तेमाल करें। स्वाद बढ़ाने के लिए गुलाब जल भी मिला सकते हैं। यह लस्सी शरीर को ठंडक देती है, पाचन सुधारती है और गर्मी में आपको तरोताजा बनाए रखती है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 7

सुविचार

महानता कभी गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	06:16-06:52 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	चित्रा	09:18-10:36 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:45 AM	चन्द्रोदय	05:48 PM
सूर्यास्त		6:47 PM	चंद्रास्त	05:03 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:31 PM: 05:09 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अधर्म का अंत, भक्ति की जीत

नृसिंह जयंती 2026 : जब भक्त प्रह्लाद के लिए प्रकट हुए भगवान

यूनिक समय, मथुरा। नृसिंह जयंती हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे भगवान विष्णु के नृसिंह अवतार के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भक्तों के लिए विशेष आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है। नृसिंह भगवान का स्वरूप आधा मानव और आधा सिंह का है, जिन्होंने अपने परम भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए और अधर्मी हिरण्यकश्यप का अंत करने के लिए यह अवतार धारण किया था। इस दिन भक्तजन व्रत, पूजा और भक्ति के माध्यम से भगवान से सुरक्षा, शक्ति और समृद्धि की कामना करते हैं।

नृसिंह जयंती का शुभ मुहूर्त- वर्ष 2026 में नृसिंह जयंती 30 अप्रैल, गुरुवार को मनाई जाएगी।

व्रत पारण का समय- नृसिंह जयंती व्रत का पारण अगले दिन, यानी 1 मई को सुबह 5:41 बजे के बाद किया जाएगा। पारण हमेशा प्रातःकाल में पूजा पूर्ण करने के बाद ही करना चाहिए। इस दिन सात्विक और हल्का भोजन ग्रहण करना श्रेष्ठ माना जाता है।

नृसिंह जयंती का महत्व- यह पर्व धर्म की विजय और अधर्म के विनाश का प्रतीक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार लेकर अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की थी। यह दिन हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति और विश्वास से हर संकट दूर किया जा सकता है। संध्या काल में भगवान का प्राकट्य हुआ था, इसलिए इस समय की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है।

पूजा विधि- नृसिंह जयंती के दिन भक्त विशेष पूजा-अर्चना करते हैं: भगवान की मूर्ति को गंगाजल, दूध, घी, शहद और पंचामृत से स्नान कराया जाता है। चंदन, पीले फूल और तुलसी दल अर्पित किए जाते हैं।

दीपक जलाकर आरती की जाती है और भजन-कीर्तन किया जाता है। नृसिंह स्तोत्र और मंत्रों का जाप अत्यंत लाभकारी माना जाता है।

परंपराएं और धार्मिक आचरण- इस दिन घर और मंदिरों को साफ-सुथरा कर फूलों और रंगोली से सजाया जाता है। श्रद्धालु व्रत रखते हैं और दिनभर फलाहार करते हैं। शाम के समय विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही गरीबों को भोजन, वस्त्र और दान देना पुण्यकारी माना जाता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि के जातकों का आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। नए विचारों के आगमन से तरक्की के रास्ते खुलेंगे। करियर में कोई अच्छा प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम जीवन में रोमांस बढ़ेगा।

वृषभ राशि के जातकों को आज के दिन सतर्क रहने की जरूरत है। आर्थिक मामलों में किसी दूसरे पर भरोसा ना करें। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए अनावश्यक निवेश से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। करियर में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। प्रेम संबंधों में संवाद सुधारें।

मिथुन राशि के जातकों का आज का दिन नए अवसरों से भरा रहेगा। आपको काम में सफलता मिलेगी। छात्रों को किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में लाभ हो सकता है।

कर्क राशि के जातकों का आज का दिन भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेगा। परिवार में छोटे-मोटे विवाद हो सकते है, इसलिए धैर्य रखें। करियर में स्थिरता बनी रहेगी। नौकरी बदलने का फैसला सोच-समझकर लें।

सिंह राशि के जातकों का आज का दिन शुभ रहेगा। करियर और व्यवसाय में प्रगति के योग हैं।

कन्या राशि के जातकों का आज का दिन शुरुआत से ही अच्छा रहेगा। हालांकि, सावधानी बरतनी जरूरी है। कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी।

तुला राशि के जातकों को आज के दिन थोड़ा सोच-समझकर चलना होगा। अपने करीबी के साथ रिश्ते अच्छे बनाए रखें। प्रेम जीवन में नई खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में कोई नया प्रोजेक्ट शुरू हो सकता है।

वृश्चिक राशि के जातकों को आज को दिन थोड़ा सावधानी से चलना होगा। काफी समय से चली आ रही समस्याओं को जल्दी से सुलझाए। करियर में चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से सबकुछ आसान हो सकता है।

धनु राशि के जातकों का आज का दिन शुभ रहेगा। करियर में उन्नति के योग हैं। लंबी दूरी की यात्रा या नई योजनाएं कामयाब जरूर होगी।

मकर राशि के जातकों को आज के दिन सतर्कता बरतनी होगी। आर्थिक मामलों में सावधान रहें। हालांकि, निवेश के अच्छे योग बन रहे है। करियर में स्थिरता और उच्च पद की संभावना है।

कुंभ राशि के जातकों का आज का दिन मिला-जुला रहेगा। सामाजिक गतिविधियों में रूचि बढ़ेगी। दोस्तों की मदद से लाभ हो सकता है। करियर में अचानक से नए अवसर मिल सकते हैं।

मीन राशि के जातकों को आज के दिन मानसिक शांति मिलेगी। आध्यात्मिक या रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। पुराने कार्य पूरे होंगे। करियर में मेहनत का फल मिलेगा।

बुद्ध पूर्णिमा: शांति, करुणा और ज्ञान का महापर्व

यूनिक समय, मथुरा। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बुद्ध पूर्णिमा वर्ष का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। यह दिन भगवान गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (निर्वाण) और महापरिनिर्वाण-तीनों घटनाओं की स्मृति में मनाया जाता है। इसलिए इस दिन का आध्यात्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। भारत सहित दुनियाभर के बौद्ध अनुयायी इस अवसर को श्रद्धा, भक्ति और शांति के साथ मनाते हैं। अलग-अलग देशों में यह पर्व स्थानीय परंपराओं के अनुसार मनाया जाता है, लेकिन इसकी मूल भावना करुणा, अहिंसा और मानवता ही रहती है।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान- बुद्ध पूर्णिमा के दिन श्रद्धालु विशेष प्रार्थनाएं और ध्यान साधना करते हैं। भारत के बोधगया जैसे पवित्र स्थलों पर हजारों की संख्या में लोग एकत्र होकर भगवान बुद्ध को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस दिन बौद्ध धर्मग्रंथों का पाठ किया जाता है, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा और शांति का संचार होता है। कई स्थानों पर विशेष प्रवचन और ध्यान सत्र भी आयोजित किए जाते हैं, जहां बुद्ध के उपदेशों को समझाया जाता है। दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में भी इस अवसर पर भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थियों के दर्शन कराए जाते हैं, जिससे श्रद्धालु अपनी भक्ति प्रकट कर सकें।

बोधिवृक्ष और मंदिरों में पूजा- बुद्ध पूर्णिमा पर बोधिवृक्ष की विशेष पूजा की जाती है, क्योंकि इसी वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। श्रद्धालु इस वृक्ष को फूलों, रंगीन पताकाओं और दीपकों से सजाते हैं।

मंदिरों और घरों में भगवान बुद्ध की मूर्ति के समक्ष धूप—दीप जलाकर पूजा की जाती है। लोग फल, फूल और प्रसाद अर्पित करते हैं और शांति की कामना करते हैं। इस दिन का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण होता है।

सजावट और उत्सव की झलक- बुद्ध पूर्णिमा पर घरों और मंदिरों को दीपकों और फूलों से सजाया जाता है। कई जगहों पर दीपोत्सव जैसा दृश्य देखने को मिलता है। श्रीलंका में इस पर्व को 'वेसाक' के नाम से मनाया जाता है, जहां रंग-बिरंगी रोशनी और सुंदर सजावट से पूरे शहर को सजाया जाता है।

क्या आपकी कुंडली में है गंडमूल दोष? जानिए कारण, प्रभाव और 5 असरदार उपाय

यूनिक समय, मथुरा। वैदिक ज्योतिष में गंडमूल दोष को एक विशेष स्थिति माना जाता है, जो जन्म के समय नक्षत्र और राशि की संधि पर बनता है। कुल 27 नक्षत्रों में से 6 नक्षत्र- अश्विनी, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल और रेवती-गंडमूल नक्षत्र कहलाते हैं। ये वे बिंदु होते हैं जहां एक राशि समाप्त होकर दूसरी राशि प्रारंभ होती है, जिसे "गंडांत" या संधि काल कहा जाता है। इस समय को ज्योतिष में संवेदनशील और परिवर्तनशील ऊर्जा का समय माना गया है।

गंडमूल दोष क्या है? गंडमूल दोष तब बनता है जब किसी व्यक्ति का जन्म इन छह नक्षत्रों के विशेष चरणों (पाद) में होता है। यह दोष ज्योतिषीय रूप से जीवन में उतार-चढ़ाव, संघर्ष और पारिवारिक चुनौतियों का संकेत देता है। हालांकि आधुनिक ज्योतिष इसे केवल नकारात्मक दृष्टि से नहीं देखता, बल्कि इसे एक विशेष प्रकार की ऊर्जा मानता है, जो व्यक्ति को असाधारण क्षमता और संघर्षशील स्वभाव भी देती है।

यह दोष क्यों माना जाता है? गंडमूल को संधि काल कहा जाता है, यानी परिवर्तन का समय। इस दौरान ऊर्जा अस्थिर मानी जाती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले बच्चों को स्वास्थ्य

संबंधी समस्याएं या पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आज के समय में ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि गंडमूल में जन्मे लोग बेहद बुद्धिमान, साहसी और जीवन में उंचाइयों तक पहुंचने वाले होते हैं। उनके जीवन में चुनौतियां जरूर आती हैं, लेकिन वे उन्हें पार करने की क्षमता भी रखते हैं।

गंडमूल दोष के प्रभाव- गंडमूल दोष का प्रभाव पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि जन्म किस चरण में हुआ है: कुछ चरण धन और सफलता प्रदान करते हैं, कुछ चरण माता-पिता के लिए कष्टकारी माने जाते हैं, कुछ चरण व्यक्ति के जीवन में संघर्ष और उतार-चढ़ाव लाते हैं, इसलिए हर गंडमूल दोष नकारात्मक ही हो, यह जरूरी नहीं है। सही विश्लेषण के लिए कुंडली का पूरा अध्ययन आवश्यक होता है।

गंडमूल शांति के पारंपरिक उपाय- यदि किसी की कुंडली में गंडमूल दोष है, तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। शास्त्रों में इसके प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं:

27वें दिन शांति पूजा- बच्चे के जन्म के 27वें दिन, जब वही नक्षत्र दोबारा आता है, तब गंडमूल शांति पूजा कराई जाती है। यह सबसे महत्वपूर्ण उपाय माना जाता है।

27 स्रोतों का जल या मिट्टी- इस पूजा में 27 अलग-अलग स्थानों से जल या मिट्टी लाकर प्रतीकात्मक रूप से उपयोग किया जाता है, जिससे सभी नक्षत्रों की ऊर्जा संतुलित होती है।

दान-पुण्य- नक्षत्र के अनुसार गाय, बैल या स्वर्ण का दान करने से दोष शांत होता है। दान को अत्यंत प्रभावी उपाय माना गया है।

अभिषेक विधि- यदि जन्म गंडांत के आरंभ में हुआ हो तो पिता और शिशु का अभिषेक, और अंत में हुआ हो तो माता और शिशु का अभिषेक कराने की परंपरा है।

मंत्र जाप और पूजा- ज्येष्ठा नक्षत्र के लिए इंद्र सूक्त और महामृत्युंजय मंत्र का जाप विशेष लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा भगवान शिव और विष्णु की पूजा भी शुभ होती है।

विशेष दान संबंधी उपाय- शास्त्रों में विभिन्न नक्षत्रों के अनुसार दान का विशेष महत्व बताया गया है:

मूल, ज्येष्ठा, आश्लेषा और मघा नक्षत्र में 3 गायों का दान, रेवती और अश्विनी में 2 गायों का दान, अन्य दोषों में एक गाय का दान भी प्रभावी माना गया है, अतिगंड योग क्या है? अतिगंड योग वैदिक ज्योतिष के 27 योगों में से एक है और इसे अत्यंत अशुभ माना जाता है। इसका स्वामी चंद्रमा होता है। इस योग के प्रारंभिक 6 घटी (लगभग 2 घंटे 24 मिनट) शुभ कार्यों के लिए वर्जित माने जाते हैं।

इसके नकारात्मक प्रभाव: जीवन में लगातार बाधाएं और संघर्ष, स्वभाव में क्रोध, अहंकार या अस्थिरता, पारिवारिक संबंधों में तनाव, गंभीर स्थिति में कुल या परिवार के लिए अशुभ संकेत, गंडांत योग का प्रभाव, गंडांत योग तब बनता है जब राशियों की संधि होती है-जैसे मीन-मेष, कर्क-सिंह और वृश्चिक-धनु। इस समय को अत्यंत संवेदनशील माना गया है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:03 PM Page 8

सम्पादकीय

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही?

भारत का लोकतंत्र अपनी मजबूती और विविधता के लिए जाना जाता है, लेकिन इसके भीतर एक अहम सवाल लगातार उठता रहा है–क्या नौकरशाही वास्तव में जनता के प्रति जवाबदेह है? आजादी से पहले ब्रिटिश शासन ने प्रशासन को मजबूत करने के लिए इंडियन सिविल सर्विस (आईसीएस) की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य शासन को नियंत्रित करना था, न कि जनता की सेवा करना। आजादी के बाद इसी ढांचे को बदलकर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) बनाई गई, ताकि यह लोकतंत्र के अनुरूप काम करे।

पवन गौतम
संपादक

सरदार पटेल ने नौकरशाही को "स्टील फ्रेम" कहा था, जो देश की एकता और प्रशासनिक मजबूती का आधार बने। लेकिन समय के साथ यह सवाल उठने लगा है कि क्या यह फ्रेम जनता के हित में काम कर रहा है या सत्ता के प्रभाव में? कई घटनाएं यह संकेत देती हैं कि नौकरशाही का एक बड़ा हिस्सा अभी भी सामंती सोच से बाहर नहीं निकल पाया है। आम जनता को सेवाभावी नजर से देखने के बजाय कई बार उसे 'प्रजा' समझा जाता है। पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना इसका एक उदाहरण है, जहां प्रशासनिक निष्क्रियता ने गंभीर सवाल खड़े किए। ऐसे मामलों में अक्सर जवाबदेही तय नहीं हो पाती और ऊपरी स्तर पर माफी से ही मामला खत्म हो जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि नौकरशाही पर सख्त कार्रवाई का अभाव है। हालांकि यह भी सच है कि सभी अधिकारी ऐसे नहीं हैं। कई ईमानदार और समर्पित अफसर भी हैं, जो अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाते हैं। लेकिन व्यवस्था में मौजूद खामियां और राजनीतिक दबाव अक्सर उन्हें भी सीमित कर देते हैं। यही कारण है कि सुधार के लिए बनी कई समितियों और आयोगों के बावजूद नौकरशाही का चरित्र पूरी तरह नहीं बदल पाया है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

लोकतंत्र का मूल आधार "लोक" यानी जनता है, लेकिन हकीकत में उनकी भूमिका अक्सर सिर्फ वोट देने तक सीमित रह जाती है। ऐसे में जरूरी है कि नौकरशाही को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन–केंद्रित बनाया जाए। इसके लिए सख्त कानून, प्रभावी निगरानी और समाज की जागरूकता बेहद जरूरी है। जब तक समाज नौकरशाही को 'सत्ता' नहीं बल्कि 'सेवा' के रूप में देखने की मांग नहीं करेगा, तब तक यह बदलाव अधूरा रहेगा। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है कि नौकरशाही सच में जनता के प्रति जवाबदेह बने।

नजरिया

धर्म, संस्कृति और राजनीति का संगम

पश्चिम बंगाल में विजय पथ की रणनीति

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक संरचना और वैचारिक विविधता के लिए जानी जाती रही है। ऐसे में जब चुनावी मैदान सजता है, तो केवल विकास, योजनाएं और वादे ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव भी अहम भूमिका निभाते हैं। हाल के चुनावी परिदृश्य में नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में इसी रणनीति को अपनाते हुए धर्म और संस्कृति के माध्यम से जनता से जुड़ने का प्रयास किया। यह केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक गहरी राजनीतिक सोच का हिस्सा भी माना गया।

चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने जहां एक ओर रैलियों और सभाओं के माध्यम से जनता को संबोधित किया, वहीं दूसरी ओर धार्मिक स्थलों के दर्शन और पूजा–अर्चना के जरिए भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करने की कोशिश की। मतदान के दिन प्रधानमंत्री मोदी का वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा करना और उससे पहले हुगली नदी में नौका विहार तथा पूजा करना एक प्रतीकात्मक संदेश था। इसी तरह अमित शाह ने गुजरात में सोमनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की और बंगाल में गंगासागर जाकर कपिल मुनि आश्रम में दर्शन किए। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा नेतृत्व ने यह दिखाने की कोशिश की कि वे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि क्षेत्रीय आस्था और परंपराओं का भी सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का वाराणसी में पूजा करना केवल व्यक्तिगत आस्था नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश भी था। काशी को लंबे समय से बंगालियों का दूसरा घर माना जाता है। सदियों से बंगाली समाज के विद्वान, संत और तीर्थयात्री काशी आते रहे हैं। वाराणसी के 'बंगाली टोला' क्षेत्र में आज भी बंगाली संस्कृति की झलक मिलती है। इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए मोदी का काशी में पूजा करना बंगाल के मतदाताओं तक एक भावनात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास था। इससे यह दर्शाने की कोशिश की गई कि भाजपा बंगाल की सांस्कृतिक जड़ों को समझती है और उनसे जुड़ी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने हुगली नदी को 'मां गंगा' कहकर संबोधित किया और उसके प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। बंगाल में हुगली नदी का वही महत्व है जो उत्तर भारत में गंगा का है। इस प्रतीकवाद के माध्यम से उन्होंने खुद को बंगाल की धार्मिक भावनाओं से जोड़ने का प्रयास किया। हुगली

में नौका विहार और पूजा के जरिए यह संदेश भी दिया गया कि भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने वाली शक्ति है। इसके साथ ही बेलूर मठ जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा ने इस संदेश को और मजबूत किया।

अमित शाह की गंगासागर यात्रा भी काफी महत्वपूर्ण मानी गई। "सब तीर्थ बार–बार, गंगा सागर एक बार" की कहावत बंगाल में प्रचलित है। ऐसे में शाह का वहां जाकर पूजा करना एक मजबूत प्रतीकात्मक कदम था। कपिल मुनि आश्रम में पूजा–अर्चना कर उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि भाजपा बंगाल की धार्मिक परंपराओं का सम्मान करती है। साथ ही गंगा को गंगोत्री से गंगासागर तक जोड़ने वाली आध्यात्मिक कड़ी के रूप में प्रस्तुत कर उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकता का संदेश भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा–अर्चना की। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि बंगाल की परंपराओं और मान्यताओं का प्रतीक भी है। इस मंदिर में मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है, जो बंगाल की विविध सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। यहां पूजा करके मोदी ने यह संदेश देने की कोशिश की कि भाजपा स्थानीय परंपराओं को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है। इससे विरोधियों के उस आरोप का भी जवाब दिया गया कि भाजपा अपनी विचारधारा थोपने की कोशिश करती है। प्रधानमंत्री मोदी का ठाकुरनगर में मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी जाना भी एक अहम कदम था। मतुआ समुदाय बंगाल की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और कई विधानसभा सीटों पर उसका प्रभाव है। मतुआ महासंघ, जिसकी स्थापना हरिचंद ठाकुर ने की थी, सामाजिक सुधार और शिक्षा के लिए जाना जाता है। इस समुदाय से जुड़कर भाजपा ने सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की। यह कदम केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर उठाया गया था। अमित शाह ने गंगासागर यात्रा के दौरान शहीद जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। इससे धर्म और राष्ट्रवाद को एक साथ जोड़ने का संदेश दिया गया। भाजपा की रणनीति में यह संयोजन लंबे समय से देखा जाता रहा है, जहां धार्मिक आस्था के साथ राष्ट्रीय भावना को भी प्रमुखता दी जाती है। इस तरह के कदमों से पार्टी ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह केवल धार्मिक पहचान की बात नहीं करती, बल्कि राष्ट्रहित और सुरक्षा को भी उतनी ही अहमियत देती है। आधुनिक राजनीति में प्रतीकवाद का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। केवल भाषण और घोषणाएं ही नहीं, बल्कि छोटे–छोटे प्रतीकात्मक कदम भी मतदाताओं पर गहरा असर डालते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनावों में भाजपा ने इसी रणनीति को अपनाया। धार्मिक यात्राएं, पूजा–अर्चना, सांस्कृतिक स्थलों का दौरा–ये सभी कदम एक बड़े संदेश का हिस्सा थे। इनका उद्देश्य यह दिखाना था कि भाजपा बंगाल की संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी हुई है, न कि कोई बाहरी ताकत।

बंगाल की राजनीति में लंबे समय से वैचारिक बहस और राजनीतिक विमर्श प्रमुख रहा है। लेकिन इस बार भावनात्मक जुड़ाव भी एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा। मोदी और शाह की यात्राओं ने यह संकेत दिया कि चुनाव केवल नीतियों और वादों पर नहीं, बल्कि भावनाओं और पहचान पर भी लड़े जा रहे हैं। इससे मतदाताओं के साथ एक व्यक्तिगत और सांस्कृतिक रिश्ता बनाने की कोशिश की गई। यह कहना जल्दबाजी होगा कि इन धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राओं का चुनावी नतीजों पर कितना प्रभाव पड़ा, लेकिन इतना जरूर है कि इसने राजनीतिक चर्चा को एक नया आयाम दिया। भाजपा ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह बंगाल की जड़ों से जुड़ने के लिए गंभीर है। इससे पार्टी की छवि एक "बाहरी" दल से हटकर "स्थानीय भावनाओं को समझने वाली" शक्ति के रूप में प्रस्तुत करने में मदद मिली। पश्चिम बंगाल में हुए चुनावों के दौरान नरेंद्र मोदी और अमित शाह की धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था का प्रदर्शन नहीं थीं, बल्कि एक सुविचारित राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं। धर्म, संस्कृति और राजनीति के इस संगम ने यह स्पष्ट कर दिया कि आज के दौर में चुनाव जीतने के लिए केवल विकास और नीतियां ही काफी नहीं हैं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और सांस्कृतिक समझ भी उतनी ही जरूरी है। भाजपा ने इन यात्राओं के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि वह बंगाल की परंपराओं, आस्थाओं और सामाजिक संरचना का सम्मान करती है। यह रणनीति भविष्य की राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, जहां प्रतीकवाद और भावनात्मक अपील लगातार प्रभावशाली होते जा रहे हैं।

विचार विण्डो

पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाकर भारत ने बदले दक्षिण एशिया के समीकरण

ओमप्रकाश दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले कुछ वर्षों में एक स्पष्ट दिशा अपनाई है–पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देना और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना। "नेबरहुड फर्स्ट" यानी पड़ोसी पहले की नीति के तहत भारत ने दक्षिण एशिया में अपनी कूटनीतिक और रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। इस नीति का असर अब चीन, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों के साथ संबंधों में साफ नजर आ रहा है।

भारत–चीन संबंधों की बात करें तो दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और मतभेदों के बावजूद संवाद की प्रक्रिया जारी है। ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए सहयोग को आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है। हालिया कूटनीतिक बैठकों और उच्च स्तरीय संपर्कों से यह संकेत मिला है कि दोनों देश प्रतिस्पर्धा के साथ–साथ सहयोग का संतुलन बनाए रखना चाहते हैं। गलवान जैसी घटनाओं के बाद भी बातचीत का जारी रहना यह दर्शाता है कि भारत टकराव के बजाय संतुलित कूटनीति पर भरोसा करता है। नेपाल के साथ संबंध पारंपरिक रूप से मजबूत रहे हैं, लेकिन हाल के राजनीतिक बदलावों के बीच भारत ने संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया है। नई सरकार के गठन के बाद उच्च स्तरीय संपर्कों और संभावित यात्राओं के जरिए दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग को नई गति देने की कोशिश की जा रही है। नेपाल के चीन और अन्य देशों के साथ बढ़ते संपर्क के बीच भारत का संतुलित रुख उसकी परिपक्वकूटनीति को दर्शाता है। वहीं बांग्लादेश के साथ संबंधों

में उतार–चढ़ाव के बावजूद सुधार के संकेत मिल रहे हैं। नई राजनीतिक परिस्थितियों में भारत ने संवाद और सहयोग को प्राथमिकता दी है। व्यापार, ऊर्जा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के प्रयास तेज हुए हैं। उच्च स्तरीय बैठकों और कूटनीतिक नियुक्तियों के जरिए यह स्पष्ट किया गया है कि भारत बांग्लादेश के साथ स्थिर और सकारात्मक संबंध बनाए रखना चाहता है।

श्रीलंका के साथ भारत का सहयोग अधिक व्यावहारिक और सामरिक रूप लेता दिख रहा है। भारत ने श्रीलंका की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उपकरण और तकनीकी सहायता प्रदान की है। इसके अलावा दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास भी आयोजित किए गए हैं, जिससे रक्षा सहयोग और आपसी तालमेल को बढ़ावा मिला है। मानवीय सहायता के क्षेत्र में भी भारत की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, खासकर स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में।

इन सभी उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि भारत ने अपने पड़ोस में एक संतुलित और बहुआयामी कूटनीतिक रणनीति अपनाई है। जहां एक ओर वह चीन जैसे बड़े और प्रतिस्पर्धी देश के साथ संवाद बनाए रखता है, वहीं दूसरी ओर नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसियों के साथ सहयोग को मजबूत करता है। इस नीति में केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और मानवीय पहलुओं को भी समान महत्व दिया गया है।

भारत की यह रणनीति केवल क्षेत्रीय स्थिरता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक स्तर पर भी पड़ रहा है। एक स्थिर और सहयोगपूर्ण दक्षिण एशिया वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए बेहद जरूरी है। भारत यदि अपने पड़ोस में विश्वास और स्थिरता कायम करता है, तो यह उसे एक जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। कुल मिलाकर, नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति ने यह दिखाया है कि मजबूत कूटनीति केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और संतुलन से बनती है। दक्षिण एशिया में बदलते समीकरण इस बात का प्रमाण हैं कि भारत अपने पड़ोस में एक भरोसेमंद और निर्णायक भूमिका निभाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:04 PM Page 9

पीएम मोदी ने खेला फुटबॉल, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने की जमकर तारीफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग अंदाज हाल ही में देखने को मिला, जब उन्होंने सिक्किम के गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेला। इस खास पल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इस पर जियानी इन्फेंटिनो ने भी प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी की खेल भावना की सराहना की।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने पीएम मोदी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उन्हें भारत के प्रधानमंत्री को फुटबॉल खेलते देखना बेहद अच्छा लगा। उन्होंने कहा, "फुटबॉल वास्तव में एक ऐसा खेल है जो पूरी दुनिया को जोड़ता है।" उनका यह बयान खेल के वैश्विक महत्व और एकता के संदेश को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी अपने सिक्किम दौरे के दौरान सुबह के समय बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते नजर आए। उन्होंने खुद भी सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए लिखा कि गंगटोक की खूबसूरत सुबह में युवाओं के साथ फुटबॉल खेलना बेहद ऊर्जावान और यादगार रहा। यह सत्र न केवल मनोरंजन से भरपूर था, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणादायक भी साबित हुआ। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों–जैसे सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर और मेघालय–में फुटबॉल बेहद लोकप्रिय खेल है। कई जगहों पर इसकी लोकप्रियता क्रिकेट से भी अधिक मानी जाती है। ऐसे में पीएम मोदी का बच्चों के साथ फुटबॉल खेलना स्थानीय युवाओं के लिए एक सकारात्मक संदेश माना जा रहा है।

यह पहली बार नहीं है जब जियानी इन्फेंटिनो ने पीएम मोदी की सराहना की हो। दोनों नेता पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिल चुके हैं। 2018 में अर्जेंटीना में हुए जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान इन्फैंटिनो ने पीएम मोदी को उनके नाम की फुटबॉल जर्सी भेंट की थी। विशेषज्ञों के अनुसार, खेल के जरिए इस तरह के संदेश अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करते हैं। पीएम मोदी का यह फुटबॉल सत्र न केवल युवाओं को प्रेरित करता है, बल्कि भारत और विश्व के बीच खेल कूटनीति को भी बढ़ावा देता है।

इरफान खान की पुण्यतिथि पर सुतापा सिकदर की भावुक पोस्ट ने नम की आंखें

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेता इरफान खान की छठी पुण्यतिथि पर उनकी पत्नी सुतापा सिकदर एक बार फिर भावुक हो गईं। इस खास मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक मार्मिक पोस्ट साझा कर अपने पति को याद किया, जिसने फैंस को भी भावुक कर दिया।

सुतापा सिकदर ने लेखक योगेश भारद्वाज की एक कविता को रीशेयर किया, जिसमें इरफान खान के व्यक्तित्व और उनके जीवन दर्शन को बेहद संवेदनशील शब्दों में व्यक्त किया गया है। इस पोस्ट की पंक्तियां–"ऐ खुदा खुद से खुद की रिहाई लिख दे, जैसे उसकी लिखी मेरी भी विदाई लिख दे"–ने लोगों के दिल को छू लिया। यह भावनाएं उनके इरफान के प्रति गहरे प्रेम और उनकी कमी को दर्शाती हैं।

इरफान खान को हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील अभिनेताओं में गिना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की और बाद में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई। 'पान सिंह तोमर', 'मकबूल' और 'हासिल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को आज भी याद किया जाता है। साल 2018 में इरफान खान को न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर नामक दुर्लभ कैंसर का पता चला था। लंबे इलाज के बाद 2020 में उनका निधन हो गया। उनकी असमय मौत ने फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों को गहरा झटका दिया था। आज भी इरफान खान अपने बेहतरीन अभिनय और गहरी सोच के जरिए लोगों के दिलों में जिंदा हैं। उनकी पुण्यतिथि पर सुतापा की यह भावुक पोस्ट उनके रिश्ते की गहराई और यादों की अमिट छाप को दर्शाती है।

आईपीएल 2026 : छक्के से घायल हुआ फैन मैच के दौरान दर्दनाक हादसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मुकाबले में एक दर्दनाक घटना सामने आई। मैच के दौरान प्रियांश आर्य के बल्ले से निकला जोरदार छक्का स्टैंड में बैठे एक बुजुर्ग फैन के चेहरे पर जा लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

यह घटना दूसरे ओवर में हुई, जब नांद्रे बर्गर की गेंद पर प्रियांश आर्य ने लंबा शॉट खेला। गेंद सीधे दर्शक दीर्घा में पहुंची और एक बुजुर्ग के चेहरे पर लग गई। गेंद लगते ही उनके चेहरे से खून बहने लगा और आसपास मौजूद दर्शकों में अफरा–तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद पास बैठे लोगों ने घायल व्यक्ति की मदद की। किसी ने कपड़े से खून रोकने की कोशिश की, तो कुछ लोगों ने पानी लाकर घाव साफ किया। बाद में उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन घटना ने सभी को झकझोर दिया। वहीं, मैच की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स ने शानदार खेल दिखाते हुए 223 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला जीत लिया। इस रोमांचक जीत के बावजूद यह हादसा चर्चा का केंद्र बन गया। इस घटना के बाद स्टेडियम में दर्शकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे हादसों से बचने के लिए बेहतर सुरक्षा इंतजाम, जैसे सुरक्षात्मक जाल (नेट), जरूरी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि खेल का रोमांच जितना जरूरी है, उतनी ही अहम दर्शकों की सुरक्षा भी है।

दिलजीत दोसांझ के 'द टुनाइट शो' पर धमाल के बाद करीना कपूर हुईं फैन

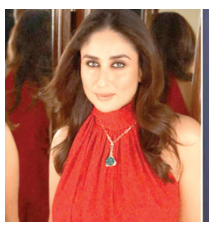

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी शानदार परफॉर्मेंस को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने मशहूर अमेरिकी शो द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फैलन में प्रस्तुति दी, जिसे दुनियाभर में काफी सराहा जा रहा है। उनकी इस उपलब्धि पर बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कूपर खान ने भी खुशी जाहिर की है।

करीना कपूर खान ने दिलजीत की परफॉर्मेंस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस क्लिप में दिलजीत अपने लोकप्रिय गाने 'मोरनी' पर परफॉर्म करते नजर आए। वीडियो शेयर करते हुए करीना ने लिखा, "हमेशा एक फैन गर्ल", जिससे साफ है कि वह दिलजीत की प्रतिभा से काफी प्रभावित हैं। दिलजीत दोसांझ ने शो में न सिर्फ गाना गाया, बल्कि अपने भांगड़ा डांस से भी सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने शो के होस्ट जिमी फैलन को भी अपने साथ थिरकने पर मजबूर कर दिया। दिलजीत पारंपरिक काले रंग की पगड़ी, कुर्ता और धोती में नजर आए, जिसने उनकी प्रस्तुति को और खास बना दिया। परफॉर्मेंस के बाद दिलजीत ने सोशल मीडिया पर जिम्मी फैलन के साथ एक वीडियो साझा किया और उनका धन्यवाद किया।

उन्होंने लिखा कि जिम्मी के साथ समय बिताना बेहद सकारात्मक अनुभव रहा और उन्होंने भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच देने के लिए आभार व्यक्त किया। दिलजीत दोसांझ हाल ही में फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आए थे। वहीं, अब वह जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दिखाई देंगे, जो 12 जून 2026 को रिलीज होगी। दिलजीत की इस अंतरराष्ट्रीय सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय कलाकार वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

'टॉक्सिक' का असर, वरुण धवन की फिल्म की बदली चाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की आगामी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट एक बार फिर बदल दी गई है। पहले यह फिल्म 22 मई 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे अपनी पुरानी तय तारीख 5 जून को रिलीज किया जाएगा।

दरअसल, इस बदलाव के पीछे टॉक्सिक की रिलीज डेट में हुआ परिवर्तन मुख्य कारण है। सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' पहले 4 जून को सिनेमाघरों में आने वाली थी, जिसके चलते वरुण धवन की फिल्म को 22 मई पर शिफ्ट किया गया था। लेकिन अब 'टॉक्सिक' के आगे बढ़ने के बाद मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' को फिर से 5 जून की तारीख पर लाने का फैसला किया। वरुण धवन ने इस बदलाव की जानकारी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने फिल्म के नए पोस्टर साझा करते हुए यश और मैडॉक फिल्म्स का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि उनकी फिल्म अब अपनी तय तारीख 5 जून को ही रिलीज होगी और यह आईपीएल के बाद सिनेमाघरों में आने वाली पहली बड़ी फिल्म होगी।

'केडी: द डेविल' को रिलीज से एक दिन पहले मिली मंजूरी, ट्रेलर विवाद भी सुलझा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कन्नड़ फिल्म केडीः द डेविल रिलीज से ठीक एक दिन पहले सुर्खियों में आ गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने इस फिल्म को 'अ' सर्टिफिकेट के साथ बिना किसी कट के मंजूरी दे दी है। यह फैसला फिल्म की रिलीज से ठीक पहले आया, जिससे मेकर्स और फैंस दोनों को राहत मिली है।

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि फिल्म को आधिकारिक तौर पर सर्टिफिकेट मिल चुका है। उन्होंने इसे "रॉ, बेरहम और असली" बताते हुए दर्शकों के लिए एक दमदार सिनेमाई अनुभव का वादा किया है। यह फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को लेकर इससे पहले एक छोटा विवाद भी सामने आया था, जब मेकर्स को इसका ट्रेलर यूट्यूब से हटाना पड़ा। दरअसल, ट्रेलर में कुछ ऐसे दृश्य शामिल थे जिन्हें सेंसर बोर्ड से मंजूरी नहीं मिली थी। नियमों का पालन करते हुए टीम ने तुरंत ट्रेलर हटाया और नया वर्जन तैयार करने की घोषणा की। मेकर्स ने इस गलती पर खेद जताते हुए कहा कि वे सभी सर्टिफिकेशन नियमों का पूरी तरह पालन करेंगे। इसके बाद संशोधित ट्रेलर को दोबारा जारी किया गया। इस फिल्म में कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं, जबकि उनके साथ संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेश्मा नानाइया और नोरा फतेही भी अहम किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर विवाद और देर से मिले सर्टिफिकेट के बावजूद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह बना हुआ है। एक्शन और ड्रामा से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

भंसाली की अगली फिल्म में धनुष की एंट्री, राम चरण हुए बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली मेगा फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पौराणिक जंगल ड्रामा में पहले राम चरण को कास्ट किया जाना था, लेकिन अब उनकी जगह धनुष को फाइनल कर लिया गया है। फिल्म का निर्देशन पीएस मिथ्रन करेंगे और यह उनका बॉलीवुड डेब्यू होगा। बताया जा रहा है कि स्क्रिप्ट में कई बदलावों के बाद यह फैसला लिया गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू हो सकती है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:04 PM Page 10

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे का 12 जिलों के लोगों देखा लाइव

यूनिक समय, मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई से 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के विकास की नई जीवनरेखा माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण उन 12 जिलों में किया गया, जहां से यह एक्सप्रेसवे गुजरता है।

मेरठ के बिजौली में इस मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां गंगा एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर विशाल पंडाल सजाया गया, जहां करीब 5000 लोगों ने बड़ी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री के संबोधन और उद्घाटन समारोह का लाइव प्रसारण देखा। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां कीं। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने खुद मौके का निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अलग-अलग क्षेत्रों से

कार्यकर्ता बसों और निजी वाहनों से बिजौली पहुंचे, जिससे पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल बन गया।

गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक फैला है और इसे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इसके बनने से यात्रा समय घटकर लगभग आधा रह जाएगा और व्यापार, उद्योग तथा किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक विकास से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इस एक्सप्रेसवे पर

मोदी ने कहा, व्यापार, उद्योग तथा किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

वाहनों का संचालन शुरू हो गया है और टोल वसूली भी जल्द लागू होने की संभावना है। कुल 14 टोल प्लाजा बनाए गए हैं। यह परियोजना न सिर्फ कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से और मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

काशी में मोदी का मेगा रोड शो गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

यूनिक समय, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी दौरे के दौरान बुधवार को काशी में भव्य माहौल देखने को मिला। पीएम मोदी बरेका से काशी विश्वनाथ धाम तक रोड शो करते हुए पहुंचे, जहां रास्ते भर लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

रोड शो के दौरान छह प्रमुख स्थानों पर पीएम मोदी का स्वागत ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और पुष्पवर्षा के साथ किया गया। भाजपा कार्यकर्ता, एनसीसी कैडेट्स और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। खासतौर पर स्कूली बच्चों ने हाथों में पोस्टर लेकर पीएम का अभिनंदन किया, जो आकर्षण का केंद्र बना। पीएम की एक झलक पाने के लिए लोग सुबह से ही सड़कों और घरों की छतों पर इंतजार करते नजर आए। लहुराबीर और पुलिस लाइन जैसे इलाकों में भारी भीड़ उमड़ी। महिलाओं और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मला। रोड शो के बाद पीएम मोदी काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत षोडशोपचार पूजा की। मंदिर में 51 ब्राह्मणों ने शंख ध्वनि के बीच उनका स्वागत किया।

कानपुर मोनू हत्याकांड: थाने में खींचतान पर भड़के परिजन, शव रखकर लगाया जाम

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में गोलाघाट नई बस्ती निवासी मोनू (35) की निर्मम हत्या के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस की लापरवाही और थानों के बीच सीमा विवाद के चलते करीब 31 घंटे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई, जिससे आक्रोशित परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

मोनू का शव गंगाघाट क्षेत्र के नरबीजपुर गांव में मिला था। उसके सिर और शरीर पर चोटों के कई निशान थे, जबकि चेहरे पर केमिकल डालकर पहचान मिटाने की कोशिश की गई थी। परिजन गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद थानों के चक्कर काटते रहे, लेकिन गंगाघाट और कैंट पुलिस एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालती रही। परेशान होकर परिजनों ने गोलाघाट तिराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया, जिससे शुक्लागंज पुल पर करीब डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा और दोनों ओर पांच किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए। आखिरकार कैंट थाने में मुख्य आरोपी पापन पॉल और अज्ञात साथियों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने जांच के लिए पांच टीमें गठित की हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोनू पर भारी वस्तु से हमला किया गया और चेहरे पर केमिकल डालकर पहचान छिपाने की कोशिश की गई। मामले की जांच जारी है।

बोलेरो-डंपर की टक्कर में मासूम समेत तीन की मौत, सात गंभीर

यूनिक समय, उन्नाव। उन्नाव में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर गांव के पास तेज रफ्तार डंपर और बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस भीषण दुर्घटना में एक मासूम सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, बोलेरो सवार सभी लोग मौरावां थाना क्षेत्र के पठई गांव के रहने वाले थे। वे चंद्रिका देवी मंदिर में बच्चे का मुंडन संस्कार कराकर वापस घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में तेज रफ्तार डंपर ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद दोनों वाहन सड़क किनारे गड्ढे (खंती) में जा पलटे। डंपर भी अनियंत्रित होकर बोलेरो के ऊपर गिर गया, जिससे नुकसान और

बढ़ गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। घटना में घायल सात लोगों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जैसे ही

चंद्रिका देवी मंदिर में बच्चे का मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे थे बोलेरो सवार

हादसे की खबर पठई गांव पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिस घर में खुशी का माहौल था, वहां अचानक मातम छा गया। मुंडन समारोह की खुशियां कुछ ही पलों में दुख में बदल गईं।

हादसा : बच्चों से भरा ऑटो पलटा 10 बच्चे घायल

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर के गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जब स्कूली बच्चों से भरा ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में करीब 10 बच्चे घायल हो गए, वहीं पास में खड़ी एक महिला अध्यापिका भी इसकी चपेट में आकर चोटिल हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था। इसी दौरान किसी वाहन की टक्कर से ऑटो पलट गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर बच्चों को बाहर निकाला। हादसे के दौरान घायल अध्यापिका का मोबाइल भी गायब हो गया, जिसे लेकर चोरी की आशंका जताई जा रही है। काफी तलाश के बाद भी मोबाइल नहीं मिला। सूचना मिलने पर स्कूल प्रबंधन मौके पर पहुंचा और बच्चों को सुरक्षित स्कूल पहुंचाया। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने साफ किया है कि बच्चों के परिवहन में ऑटो का उपयोग नियमों के खिलाफ है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर से गिरकर महिला की दर्दनाक मौत, मौके पर ही तोड़ा दम

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ के सबलपुर गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर से गिरकर एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान 32 वर्षीय कमलेश देवी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, कमलेश देवी अपने पति अर्जुन सिंह के साथ ट्रैक्टर से चंडौस की ओर से गांव लौट रही थीं। गांव के पास अचानक एक वाहन को बचाने के प्रयास में उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गईं। दुर्भाग्यवश, उनका सिर ट्रॉली के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और अंतिम संस्कार कर दिया। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पश्चिमी विक्षोभ से प्रदेश में बदला मौसम

10 दिन तक लू से राहत, 58 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी में भीषण गर्मी और लू से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले दस दिनों तक मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कई जिलों में हल्की बारिश, तेज हवाएं और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मंगलवार से ही प्रदेश के मौसम में बदलाव महसूस किया गया। कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और लोगों को तपिश से राहत मिली। खासकर बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी के जिलों में इसका असर साफ देखने को मिला।

मौसम विभाग ने 58 जिलों में

गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। इनमें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, गोरखपुर, कानपुर और उन्नाव सहित कई जिले शामिल हैं। इन क्षेत्रों में बिजली गिरने और तेज आंधी की चेतावनी भी जारी की गई है। करीब 32 जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इससे मौसम सुहावना बनेगा, लेकिन साथ ही

बांदा में तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था

सावधानी बरतने की भी जरूरत है। इस बदलाव से पहले प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में था। बांदा में तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जो देश ही नहीं बल्कि दुनिया में भी सबसे ज्यादा दर्ज किया गया। झांसी और ललितपुर समेत कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम में राहत मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर से पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में मौसम बदला रहेगा।

कुंडी में नहाने गई मासूम की डूबकर मौत, परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ के अलहदादपुर गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। कुंडी में नहाने गई 10 वर्षीय बालिका सुहानी की डूबने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, सुहानी घर से करीब आधा किलोमीटर दूर नलकूप की पानी भरी कुंडी में नहाने गई थी। कुंडी में काई जमी होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पानी में डूब गई। कुछ देर बाद राहगीरों ने कुंडी में उसका शव देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन बच्ची को तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की, लेकिन परिजनों ने इसे हादसा मानते हुए पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि सुहानी को उसके चाचा ने गोद लिया था। उसकी मौत से पूरे परिवार में गहरा शोक है।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:04 PM Page 11

सार संक्षेप

बंगाल चुनाव में ईवीएम पर टेप विवाद, पुनर्मतदान की मांग तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के दौरान ईवीएम में छेड़छाड़ के आरोपों से सियासी घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस पर बीजेपी के बटन पर टेप लगाने का आरोप लगाया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिन बूथों पर टेप मिला है, वहां पुनर्मतदान कराया जाएगा। वहीं, बड़े स्तर पर गड़बड़ी मिलने पर पूरे क्षेत्र में दोबारा वोटिंग संभव है।

होर्मुज हमलों पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने कहा कि ऐसे हमले वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री आवाजाही के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन जरूरी है और निर्दोष नाविकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। भारत ने जल्द से जल्द सुरक्षित और निर्बाध समुद्री यातायात बहाल करने की अपील की। साथ ही, खाड़ी क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

ट्रंप को गलत जानकारी? वेंस ने उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में ईरान जंग को लेकर अंदरूनी मतभेद सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को आशंका है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पेंटागन की ओर से पूरी सच्चाई नहीं बताई जा रही। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के दावों पर वेंस ने निजी बैठकों में सवाल उठाए हैं। उन्हें मिसाइल भंडार में कमी और युद्ध की वास्तविक स्थिति को लेकर चिंता है, हालांकि सार्वजनिक रूप से उन्होंने नेतृत्व की सराहना भी की है।

गैस संकट में खतरनाक जुगाड़, गुब्बारों में एलपीजी स्टोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के कराची में गैस की भारी किल्लत के चलते लोग खाना पकाने वाली गैस को प्लास्टिक गुब्बारों में भरकर जमा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनियमित सप्लाई ने उन्हें ऐसा करने पर मजबूर किया है। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे बेहद खतरनाक बताया है और चेतावनी दी है कि हल्की चिंगारी या गर्मी से भी विस्फोट हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है।

हिज्बुल्लाह सुरंगों पर इजरायल का बड़ा हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह की अंडरग्राउंड सुरंगों को निशाना बनाकर बड़ा अभियान चलाया। इजरायली सेना के मुताबिक, करीब 2 किलोमीटर लंबी सुरंगों में हथियारों का जाल फैला था। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने इन्हें पूरी तरह तबाह करने का दावा किया है। सुरंगों में स्नाइपर, विस्फोटक और खतरनाक उपकरण मिलने की बात सामने आई है।

ओडिशा में भीषण सड़क हादसा

बस-ट्रक की टक्कर में चार की मौत, 12 से ज्यादा घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। चांदीपोश थाना क्षेत्र के मुसाबीरा इलाके में एक यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, बस राउरकेला से जगतसिंहपुर की ओर जा रही थी। रात के अंधेरे में बस गलत लेन में चली गई। इसी दौरान सामने से आ रहा ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा और दोनों वाहनों की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस चालक और कंडक्टर ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। इसके अलावा एक यात्री की भी जान चली गई, जिससे मृतकों की संख्या चार हो गई। घायलों को तुरंत राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है और उसे आईसीयू में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया और फिर अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में हादसे की मुख्य वजह बस का गलत लेन में चलना सामने आया है। हालांकि, दोनों चालकों की मौत होने के कारण जांच में कुछ कठिनाइयां आ रही हैं। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं, जबकि घायलों के परिवार अस्पतालों के बाहर अपने अपनों के स्वस्थ होने की उम्मीद में इंतजार कर रहे हैं।

नफरती भाषण पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

मौजूदा कानून पर्याप्त, नए हस्तक्षेप की जरूरत नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नफरती भाषण (हेट स्पीच) से जुड़े मामलों पर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि देश में पहले से मौजूद आपराधिक कानून इस समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त हैं और फिलहाल किसी अतिरिक्त न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने इस संबंध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि यह कहना गलत है कि हेट स्पीच से निपटने के लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। अदालत ने कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत नफरत फैलाने, धार्मिक भावनाएं भड़काने या सार्वजनिक शांति भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

पीठ ने यह भी कहा कि नए कानून बनाना या पुराने कानूनों में संशोधन करना विधायिका और केंद्र सरकार का अधिकार क्षेत्र है। अदालत ने विधि आयोग की 2017 की 267वीं रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार चाहे तो उसके सुझावों पर विचार कर सकती है। अपने फैसले में कोर्ट ने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका कानून नहीं बना सकती। अदालतें केवल कानून की व्याख्या कर सकती हैं और मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए निर्देश दे सकती हैं, लेकिन अपराध की परिभाषा तय करना और सजा निर्धारित करना विधायिका का काम है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 सहित मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत पुलिस के लिए संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है। यदि ऐसा नहीं किया जाता, तो कानून में इसके खिलाफ भी प्रभावी उपाय उपलब्ध हैं। अदालत ने कहा कि नफरती भाषण का मुद्दा भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था से सीधे जुड़ा है, इसलिए इस पर गंभीरता से कार्रवाई की जानी चाहिए। विस्तृत फैसले का अभी इंतजार है।

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी का भंडाफोड़, 23 अत्याधुनिक गन बरामद

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क द्वारा भारत में लाई गई भारी मात्रा में अवैध हथियारों की खेप बरामद की गई है। पुलिस ने इस मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 23 अत्याधुनिक हथियार तथा 92 कारतूस जब्त किए हैं।

जांच के अनुसार, यह हथियार आईएसआई के इशारे पर ड्रोन और सीमा मार्गों के जरिए भारत में भेजे जा रहे थे। बरामद हथियारों में जिगाना और ग्लॉक जैसी विदेशी पिस्टल शामिल हैं, जो आमतौर पर प्रोफेशनल क्राइम में इस्तेमाल होती हैं। इसके अलावा बिहार के मुंगेर में बने देसी हथियार भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क के तार पाकिस्तान के हथियार सप्लायरों से जुड़े हैं और इन हथियारों को दिल्ली-एनसीआर, पंजाब समेत कई राज्यों में गैंगस्टर्स और असामाजिक तत्वों तक पहुंचाया जाना था। जांच में यह भी सामने आया है कि इस पूरे मॉड्यूल का संचालन शाहबाज अंसारी नामक व्यक्ति कर रहा था, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के खुर्जा का रहने वाला है और फिलहाल बांग्लादेश में बैठकर इस नेटवर्क को चला रहा है। उसका चाचा रेहान अंसारी दुबई में रहकर नेटवर्क को सहयोग दे रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि शाहबाज अंसारी का नाम पहले सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में भी सामने आ चुका है। उस मामले में गिरफ्तारी के बाद वह जमानत पर छूटकर फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नेपाल और पंजाब बॉर्डर के जरिए हथियारों की सप्लाई करते थे, जबकि भारत में इनके सहयोगी इन्हें रिसीव कर आगे बेचने का काम करते थे। स्पेशल सेल अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और पूरे रैकेट की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

पुलिस ने नौ आरोपियों को किया गिरफ्तार

हीटस्ट्रोक के बढ़ते मामले लातूर में तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में तेज गर्मी ने लोगों की सेहत पर गंभीर असर डालना शुरू कर दिया है। 1 मार्च से 20 अप्रैल के बीच हीटस्ट्रोक के 39 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि एक संदिग्ध मौत की भी पुष्टि हुई है। बढ़ते तापमान के कारण लोग डिहाइड्रेशन, चक्कर और थकान जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस अवधि में राज्यभर के अस्पतालों में 3.34 लाख से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे। हाल के दिनों में हीटस्ट्रोक के 8 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, दिल से जुड़ी बीमारियों के कारण 108 मौतें भी दर्ज की गई हैं। लातूर जिले में गर्मी का असर ज्यादा देखने को मिला है, जहां अब तक 3 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें एक 25 वर्षीय युवक की मौत खेत से लौटते समय चक्कर आने से हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर में बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है।

गाजियाबाद में हाईराइज सोसायटी में भीषण आग

9वीं से 13वीं मंजिल तक फैली लपटें

यूनिक समय, नई दिल्ली। गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौड़ ग्रीन एवेन्यू सोसायटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की शुरुआत सोसायटी के डी टावर की नौवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से हुई, जो देखते ही देखते 13वीं मंजिल तक फैल गई।

आग इतनी भयावह थी कि इससे उठता घना धुआं दूर तक दिखाई दिया। यहां तक कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से गुजर रहे लोगों ने भी धुएं के गुबार को साफ देखा और इस घटना को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। आग लगते ही पूरी सोसायटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए अपने घरों से बाहर निकल आए। दमकल विभाग को तुरंत सूचना दी गई, जिसके बाद कई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, राहत कार्य के दौरान कई चुनौतियां सामने आईं। सोसायटी के अंदर संकरी जगह और पार्किंग की समस्या के कारण बड़ी हाइड्रोलिक मशीनें ऊपरी मंजिलों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रही थीं, जिससे आग बुझाने में देरी हुई।

इस हादसे में अब तक 8 फ्लैट आग की चपेट में आ चुके हैं। दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल उनकी स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। प्रशासन के अनुसार, जिस फ्लैट में आग लगी, उस समय उसमें कोई मौजूद था या नहीं, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग लगने के कारणों की भी जांच की जा रही है।

खुद को ओसामा बताकर धमकी देने वाला दोषी जेल भेजा गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। लंदन से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दोषी अपराधी रॉस फाइल्स ने पीड़िता के ऑफिस में फोन कर खुद को ओसामा बिन लादेन बताते हुए बम से उड़ाने की धमकी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी पहले भी कई गंभीर अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका है। उसने पीड़िता पर चाकू की नोक पर हमला किया, धमकाया और अपमानजनक संदेश भेजे। यहां तक कि उसने वॉइसमेल में दफ्तर को उड़ाने और सहकर्मियों को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी। मामले की सुनवाई लिवरपूल क्राउन कोर्ट में हुई, जहां उसे दोषी ठहराकर जेल भेज दिया गया।

Uniquesamay 29-04-2026_19-05-2024.qxd 4/29/2026 10:04 PM Page 12

दुकानों पर बेचा जा रहा है राशन का चावल

नि :शुल्क मिल रहे एक किलो चावल के बाजार में मिल रहे हैं 22 रुपये

संवाददाता

यूनिक समय, फरह। सरकार पात्र और अंत्योदय कार्ड धारकों को राशन उपलब्ध कराती है। हर महीने निःशुल्क उपलब्ध कराए जाने वाले चावल और गेहूं डीलरों द्वारा कम कीमत पर खरीदने के बाद माफियों को बेच दिया जाता है। माफिया इन्हे बाजार में ऊंची कीमतों पर बिक्री कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभाग राशन माफिया के कारनामे की अनदेखी में लगे हैं।

शासन की ओर से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट पांच किलो और अंत्योदय कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 35 किलो राशन उपलब्ध कराया जाता है। राशन में मिलने वाला चावल राशन कार्ड धारक और राशन माफिया के लिए कमाई का सबसे बड़ा स्त्रोत बन गया है।

राशन दुकान से निःशुल्क सामग्री लेने के बाद कार्ड धारक चावल को 20 से 22 रुपए किलो के भाव में राशन डीलर या उसके पास चिन्हित दुकान पर जाकर बेच देते हैं, बाद में यह चावल एकत्रित होकर राशन माफिया तक पहुंच जाता है, जिसे वह अधिक मूल्य पर दूसरे राज्यों में खपाता हैं। गांव बेरी के कार्डधारक किशन सिंह ने बताया कि राशन में मिलने वाला चावल खाने लायक नहीं है। इसलिए बेच देते हैं। गांव झुड़ावई के वीरों का कहना है कि चावल काफी मात्रा में मिलता है, इतना उपयोग नहीं होता है। इसलिए बेचकर पैसे बना लेते हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह का कहना है कि ऐसी कोई शिकायत या जानकारी नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

डीलर भी कर रहे कमाई

सरकारी राशन में मिलने वाला चावल सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों को संचालित करने वाले डीलरों के लिए भी कमाई का जरिया बन चुका है। राशन कार्ड धारकों को डीलर पैसे देते हैं और चावल को अपने पास रख लेते हैं, जिसे रात के अंधेरे में राशन माफिया के ठिकानों तक पहुंचा दिया जाता है।

गोसेवा आयोग के लिए 50 लाख की पहली किश्त मंजूर

उपकरण खरीद और संचालन पर खर्च करेगा पशुपालन विभाग

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/लखनऊ। प्रदेश में गोसेवा से जुड़ी गतिविधियों को व्यवस्थित और मजबूत बनाने के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में गोसेवा आयोग के संचालन के लिए 50 लाख रुपये की पहली किस्त जारी की गई है। यह धनराशि पशुपालन विभाग को उपलब्ध कराई गई है, जिससे आयोग के कामकाज को गति मिलने की उम्मीद है।

जारी राशि का उपयोग आयोग की स्थापना, संचालन और जरूरी संसाधनों की व्यवस्था पर किया जाएगा। विभाग को साफ निर्देश दिए गए हैं कि धनराशि का उपयोग केवल तय कार्यों पर ही किया जाए और किसी अन्य मद में खर्च न हो। साथ ही खर्च जरूरत के अनुसार ही किया जाएगा और हर भुगतान का पूरा लेखा-जोखा रखा जाएगा। गोसेवा आयोग के तहत होने वाली खरीद प्रक्रिया को भी पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है। अधिकतर खरीद ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी, जिससे प्रक्रिया में तेजी और स्पष्टता बनी रहे। यदि किसी वस्तु की दर ऑनलाइन उपलब्ध नहीं होती है, तभी अन्य प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके अलावा खर्च का पूरा विवरण समय पर संबंधित स्तर पर देना भी जरूरी होगा।

निर्देशों में यह भी कहा गया है कि यदि जारी धनराशि से किसी प्रकार का ब्याज प्राप्त होता है तो उसे सरकारी खाते में जमा कराया जाएगा। वहीं निर्माण से जुड़े किसी भी कार्य के लिए पहले आवश्यक मंजूरी और अनुमान तय करना अनिवार्य होगा, ताकि कार्य व्यवस्थित ढंग से पूरा हो सके।

मथुरा समेत प्रदेश के कई जिलों में गोवंश संरक्षण और देखभाल से जुड़े कार्य पहले से चल रहे हैं। ऐसे में इस धनराशि से इन गतिविधियों को और बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिलेगी। इस संबंध में विशेष सचिव देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने पशुपालन विभाग के निदेशक प्रशासन एवं विकास को पत्र भेजकर पूरी जानकारी दी है। शासन स्तर पर इसे गोसेवा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

गर्मी से राहत दिलाने के लिए मंडी में लगाए कूलर

गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों और पल्लेदारों के लिए की गई व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर मंडी समिति मथुरा में गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों और पल्लेदारों के लिए कूलर लगाए गए हैं। इससे मंडी में आने वाले लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। कूलर का शुभारंभ किसान मुरारी लाल शर्मा, निवासी भरना खुर्द ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि तेज गर्मी में यह व्यवस्था किसानों के लिए बहुत फायदेमंद होगी यह जो पुनीत कार्य किया है,बहुत ही सराहनीय है। मंडी सचिव रेनू वर्मा ने बताया कि मंडी में दूर-दराज से किसान अपनी फसल बेचने आते हैं। गर्मी में उन्हें काफी परेशानी होती है। पल्लेदार पूरे दिन मेहनत करते है इसी को ध्यान में रखते हुए कूलर लगाए गए हैं, ताकि किसानों और पल्लेदारों को राहत मिल सके।

मथुरा जंक्शन पर यात्रियों को शीतल जल एवं गुड़ सेवा प्रदान

यूनिक समय, मथुरा। मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अंकित गुप्ता के निर्देशन में मथुरा जंक्शन पर आज भी यात्रियों की सुविधा एवं जनसेवा के उदेश्य से शीतल जल एवं गुड़ सेवा प्रदान की गई। यह सेवा मानव सेवा संस्थान ने की।

जनगणना में लगी डयूटी,उच्च प्राथमिक विद्यालय हो गए बंद

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। जनगणना में शिक्षक और अनुदेशकों की डयूटी लगने से जनपद के कई विद्यालय बंद या एकल हो गए हैं। ऐसे में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है।

जिले में जनगणना के लिए शिक्षक और अंशकालिक अनुदेशकों को प्रशिक्षण देने का काम चल रहा है। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और अनुदेशक मतगणना करने के लिए डयूटी पर लगाए गए हैं। करीब एक दर्जन उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और अंशकालिक अनुदेशक डयूटी पर लगा दिए गए हैं, जिसकी वजह से इन विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो गया है। अधिकारियों के मौखिक निर्देशों के क्रम में मतगणना डयूटी में लगाए गए अंशकालिक शिक्षकों के कंट्रोल रूम में कार्यरत होने से कई विद्यालय बंद हैं तो कुछ विद्यालय एकल भी हो गए हैं।

इस समस्या के सामने आने के बाद बीएसए रतन कीर्ति ने एडीएम वित्त को पत्र लिखा है। 27 अप्रैल को लिखे गए पत्र में अंशकालिक अनुदेशकों को मूल विद्यालय के लिए कार्य मुक्त करने को कहा गया है, जिससे बंद या एकल हो चुके विद्यालयों में शिक्षण कार्य शुरू हो सके।

यह विद्यालय हुए प्रभावित

यूनिक समय, मथुरा। मतगणना कंट्रोल रूम में डयूटी लगने से उच्च प्राथमिक विद्यालय अडूकी, औरंगाबाद, बाटी, चंद्र नगर, छरौरा, धनगांव, नगला सीता, पाली खेड़ा, विर्जापुर और सतोहा में शिक्षण कार्य प्रभावित है। यह विद्यालय एकल या बंद हो गए हैं।

नौगांव में शमशान स्थल का बुरा हाल

यूनिक समय, मथुरा। सौंख रोड स्थित वार्ड संख्या तीन नौगांव में आज बारिश के बीच लोगों को शमशान में एक महिला की चिता जलाने के दौरान परेशानी हो रहीं थी। उसे देख कर कोई भी शर्मसार हो गया। लोग शमशान में किन परिस्थितियों में शवों का अंतिम संस्कार करने को मजबूर हैं।

नौगांव में बारिश के दौरान जो दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में निकल कर आया उसने देखने वालों को झकझोर दिया। ग्रामीण एक महिला के शव का अंतिम संस्कार करने को लेकर शमशान पहुंचे। शमशान में महिला के शव को जैसे ही अग्नि दी गई। इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई। शमशान में बारिश से बचने के लिए न तो कोई स्थान था और ना ही जलने वाले शव को बारिश से बचाने के लिए कोई टीन शेड नहीं थी। सब कुछ खुला हुआ था। बारिश से बचने के लिए शमशान में आने वाले लोग बारिश से बचने के लिए ट्रैक्टर के नीचे घुसे हुए थे। यही नहीं जलती महिला की चिता की आग बारिश के कारण कई बार बुझ गई। शमशान के इस तरह के दृश्य ने लोगों को झकझोर दिया।

कार्यालय/न्यायालय उप निबन्धक, मथुरा सदर द्वितीय सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय उप निबन्धक, मथुरा सदर द्वितीय मे एक मरणोपरान्त वसीयतनामा निबन्धन हेतु श्रीमती राजरानी पत्नी स्व. श्री मदन गोपाल निवासी राधाकुण्ड तहसील व जिला मथुरा द्वारा प्रस्तुत किया गया है। श्रीमती भगवान देई उर्फ भगवा देवी पत्नी स्व0 श्री बाँके लाल पुत्री स्व0 श्री प्रभूदयाल निवासी ग्राम राधाकुण्ड तहसील गोवर्धन जिला मथुरा आराजी खसरा सं0 468 रकवा 0.106 हे0 एवं आराजी खसरा सं0 459 रकवा 0.004 हे0, खसरा सं0 494 रकवा 0.093 हे0, खसरा सं0 495 रकवा 0.070 हे0 खसरा सं0 496 रकवा 0.055 हे0, खसरा सं0 497 रकवा 0.155 हे0 एवं खसरा सं0 498 रकवा 0.028 हे0 कुल रकवा 0.511 हे0 स्थित मौजा राधाकुण्ड तहसील गोवर्धन जिला मधुरा, आराजी खतौनी के अनुसार नया खसरा सं0 1764 रकवा 0.511 हे0 स्थित मौजा राधाकुण्ड तहसील गोवर्धन जिला मथुरा का मालिक काबिज व दाखिल हूँ। यह मरणोपरान्त वसीयतनामा श्रीमती राजरानी पत्नी स्व. श्री मदन गोपाल निवासी राधाकुण्ड तहसील व जिला मथुरा के पक्ष में निष्पादित है । यदि इसके निष्पादन के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन से एक माह के अन्दर मौखिक/लिखित रूप में किसी भी कार्य दिवस में अपनी आपत्ति साक्ष्य सहित प्रस्तुत कर सकता है।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय
उप निबन्धक मथुरा सदर द्वितीय